हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार 5 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 25 डिग्री
न्यूनतम 11 डिग्री

11 माँ शाकम्भरी की शोभायात्रा में जुटे श्रद्धालु

खबर संक्षेप

ताला तोड़कर नकदी सहित जेवरात पार

भिलाई। मकान का ताला तोड़कर सोना चांदी के जेवरात पार किया गया।शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। जामुल पुलिस ने बताया कि ब्लाक 12/9 हाउसिंग बोर्ड जामुल निवासी हरेन्द्र पाल परिवार समेत मकान में ताला जड़कर गृह ग्राम लहेजी सिवान बिहार गया हुआ था। 30 दिसंबर की सुबह पड़ोसी ने फोन कर सूचना दिया की मकान के पीछे का गेट टूटा हुआ है। 2 जनवरी को वापस गांव से लौटने पर मकान के भीतर प्रवेश करने पर देखा सारा सामान बिखरा पड़ा मिला। मकान से सोना चांदी के जेवरात व नगदी रकम 30 हजार रुपये गायब मिले। खोजबीन करने के बाद सामान नहीं मिलने पर परिजनों ने शिकायत पुलिस से किया। चोरी हुए सामानों की कगीमत 80 हजार रुपए आंकी गई है।

अवैध शराब बेचने वाले पुलिस पकड़ में

भिलाई। अवैध शराब बेचने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत अपराध कायम किया है।एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सीएच 4 दुर्गा मंदिर सेक्टर 5 भिलाई निवासी राज नायक और धनोरा संतोष गिरी को गिरफ्तार किया गया है।आरोपियों के पास से पुलिस ने अवैध शराब व एक्टिवा सीजी 07 सीआर 4533 जब्त किया गया है। जिसकी कीमत 78 हजार 200 रुपए आंकी गई है। मामले में पुलिस तीन अन्य आरोपी की तलाश में है।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा: परिणाम के आधार पर बोर्ड परीक्षा की तैयारी करेगा शिक्षा विभाग

10वीं 58 और 12वीं का रिजल्ट 70 फीसदी,100 प्रतिशत वाले दो स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिले के सरकारी स्कूलों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसमें 10वीं का परीक्षा परिणाम 58 .67 प्रतिशत रहा। खास बात यह है कि जिले में 120 स्कूल 10वीं के हैं, लेकिन एक भी स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत नहीं रहा। शासकीय हाई स्कूल अंजोरा ढ़ाबा का स्कूल एक मात्र ऐसा स्कूल रहा जिसका परिणाम 90.69 फीसदी आया। इसके साथ ही 17 स्कूल रहे जहां का परिणाम 50 प्रतिशत से कम रहा। 12वीं के रिजल्ट की बात की जाए तो वह 70.32 फीसदी रहा। जिले में 12वीं के 83 स्कूल हैं। एक भी स्कूल में 100 फीसदी रिजल्ट नहीं आया है। 50 प्रतिशत से नीचे रिजल्ट वाले 6 स्कूल हैं। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल कैंप वन भिलाई का सबसे ज्यादा रिजल्ट 94.93 प्रतिशत रहा है।

सेजस हिन्दी माध्यम के एक स्कूल का रिजल्ट रहा 100 प्रतिशत

हिन्दी माध्यम स्कूलों में 10वीं बोर्ड अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम में एक स्कूल का रिजल्ट ही 100 प्रतिशत आया है। सेजस जंजगिरी ने शत-प्रतिशत रिजल्ट दिया है। यहां 36 बच्चे हैं और पूरे उत्तीर्ण हुए हैं। सेजस सेलूद 84.44 प्रतिशत, सेजस अंजोरा 78 प्रतिशत, सेजस जामगांव एम 77.5 प्रतिशत, पीएम श्री सेजस कुम्हारी 77 प्रतिशत रिजल्ट दिया है।

सेजस में सबसे कम रिजल्ट इन स्कूलों का

सेजस हिन्दी माध्यम में हाउसिंग बोर्ड 45 प्रतिशत, सेजस देवादा 43 प्रतिशत, सेजस बेल्हारी 37.31 प्रतिशत, सेजस अंडा 31 प्रतिशत रहा। सेजस अंग्रेजी माध्यम में सबसे कम रिजल्ट पाटन ब्लॉक में आया है। यहां 1403 कोड वाले स्कूल का रिजल्ट 46.76 प्रतिशत रहा। सेजस अहिवारा का रिजल्ट 52 प्रतिशत आया है। अंग्रेजी माध्यम के कुल 32 सेजस स्कूल संचालित हो रहे हैं।

बारहवीं में इन स्कूलों का रिजल्ट बेहतर

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैंप वन भिलाई-	94.93 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांकरा	- 92 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक बीआरजे विद्यालय दुर्ग	- 90.72 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुपेला भिलाई	- 88.89 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खपरी	- 88.24 प्रतिशत

बारहवीं में सबसे कमजोर रिजल्ट वाले स्कूल

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवादा	- 49.18 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरई	- 46.67 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धनोरा	- 46.51 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसमड़ा	- 46.15 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भिलाई तीन	- 41.38 प्रतिशत
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेलीगुंडरा	- 41.03 प्रतिशत

दसवी में सबसे कमजोर रिजल्ट वाले स्कूल

हाई स्कूल देवादा	- 43 प्रतिशत
हाई स्कूल तुमाकला	- 42.85 प्रतिशत
हाईस्कूल केसरा-	41.4 प्रतिशत
हाई स्कूल धनोरा	- 40 प्रतिशत
हाई स्कूल पुरई	- 39 प्रतिशत
हाई स्कूल मतवारी	- 36.61 प्रतिशत
हाई स्कूल केंप वन भिलाई	- 29 प्रतिशत

सबसे ज्यादा रिजल्ट वाले स्कूल

हायर सेकंडरी स्कूल अंजोरा ढ़ाबा	- 90.69 प्रतिशत
हायर सेकंडरी स्कूल बटंग	- 87.09 प्रतिशत
हायर सेकंडरी स्कूल महकाकला	- 85 प्रतिशत
हायर सेकंडरी स्कूल खिलोराकला	- 82.14 प्रतिशत
हायर सेकंडरी स्कूल स्टेशन मरोदा	- 80.2 प्रतिशत

सेजस 12वीं में 74 प्रतिशत रिजल्ट

सेजस अंग्रेजी माध्यम 12वीं बोर्ड का रिजल्ट 74 प्रतिशत रहा। सेजस धमधा का रिजल्ट 100 प्रतिशत आया। यहां 44 विद्यार्थी हैं और पूरे उत्तीर्ण हुए हैं। बालाजीनगर खुर्सीपार 98.88 प्रतिशत रिजल्ट दिया। इस स्कूल में 87 विद्यार्थी हैं और एक मात्र फेल हुआ। सेजस डीआरएस पाटन 93 प्रतिशत, अमलेश्वर 90.47 प्रतिशत, मर्रा 90 प्रतिशत , निकुम स्कूल ने 87 प्रतिशत परिणाम दिए हैं।

बेहतर करने की कार्ययोजना बनी

हमने दसवी व बारहवीं बोर्ड अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परिणाम की समीक्षा की है। जहां रिजल्ट बेहतर है वहां के प्रतिभावान बच्चों को मेरिट के टॉप 10 में लाने की रणनीति बनाई गई है। जहां रिजल्ट कमजोर है वहां के अनुतीर्ण विद्यार्थियों को उत्तीर्ण होने लायक बनाने के लिए विशेष प्रयास करने की हिदायत संस्था प्रमुखों को दी गई है।

- अरविंद कुमार मिश्रा, डीईओ

ट्रेन की चपेट में आने से टेक्नीशियन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

ट्रेन की चपेट में आने से रेलवे के टेक्निशियन की मौत हो गई। घटना दुर्ग रेलवे स्टेशन का है। मामले में जीआरपी ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। जीआरपी दुर्ग ने बताया कि रेलवे कालोनी दुर्ग निवासी अजय कुमार महतो टेक्नीशियन ग्रेड-1 (ट्रेन लाइटिंग स्टाफ) के पद पर पदस्थ था। हादसा मुंबई हावड़ा मुख्य रेलवे ट्रैक पर स्थित दुर्ग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 के पास रविवार की सुबह हुई। मृतक अजय कुमार रविवार की सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रथम पाली में काम पर था, तभी रायपुर एंड की ओर किलोमीटर संख्या 865/27 (रेल पोल क्रमांक 865/27) के पास एक खाली मालगाड़ी स्टेशन से होकर गुजर रही थी। तभी अचानक अजय कुमार मालगाड़ी की चपेट में आ गया। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसा कैसा हुआ इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। घटना की खबर लगते ही स्टेशन मास्टर दुर्ग ने आरपीएफ को सुचना दी गई। मौके पर आरपीएफ, जीआरपी दुर्ग चौकी और रेलवे कर्मी पहुंचे। आरपीएफ की मदद से शव को ट्रैक से हटाकर मरचूरी पीएम के लिए भेजा गया। मामले की जांच दुर्ग जीआरपी कर रही है। शुरुआती जांच में हादसा माना जा रहा है। फिलहाल जीआरपी सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है।

- दुर्ग रेलवे स्टेशन में था पदस्थ, मालगाड़ी की चपेट में आया

श्रमिक की मौत पर बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ हुआ अपराध दर्ज

भिलाई। बीएसपी के एसएमएस 2 क्षेत्र में 15 नवंबर 2025 को हादसा हुआ था। इस दौरान 42 वर्षीय श्रमिक की मौत हो गई थी। डेढ़ माह बाद भठ्ठी पुलिस ने बीएसपी प्रबंधन पर लापरवाही बरतने के आरोप पर अपराध कायम किया है। भठ्ठी पुलिस ने बताया कि निर्माणाधीन ईसीआर भवन में कार्य के दौरान विंच मशीन का एक हिस्सा अचानक टूट गया। जिससे मशीन के साथ नीचे गिरने से मजदूर वार्ड 62 शंकर पारा स्टेशन मरोदा निवासी देवेन्द्र चंद्राकर सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में उसे तुरंत बीएसपी मेन मेडिकल पोस्ट 1 अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि बीएसपी की ओर से सुरक्षा मानकों की अनदेखी और उपेक्षापूर्ण लापरवाही बरती गई। आवश्यक सुरक्षा उपायों के अभाव में कार्य कराया गया। घटना की सूचना एसडीएम भिलाई नगर को भी अलग से भेजी गई है।

वाह रे पीडब्ल्यूडी... सरकारी जमीन को निजी बता कर रहे नाली निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई में मॉल चौक जुनवानी से लेकर अवंतिबाई चौक से बोगदा पुलिया तक की सड़क पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की लापरवाही के चलते अतिक्रमण की भेंट चढ़ने को मजबूर है। पीडब्ल्यूडी ने यहां सड़क के किनारे नाली निर्माण के लिए 1 करोड़ 38 लाख रुपए की स्वीकृति दी है, लेकिन अधिकारी नाली का निर्माण सड़क से कुछ दूर पर ही कर रहे हैं।

- पर्याप्त जगह के बाद भी सड़क से सटाकर किया जा रहा निर्माण

इससे अतरिक्त जमीन पर दुकान संचालक और अन्य प्रतिष्ठान वाले अतिक्रमण करके निर्माण करेंगे।

क्षेत्र के पार्षद और पूर्व जिलाध्यक्ष महेश वर्मा से जब इस सड़क के बारे में बताया कि मॉल रोड से लेकर अवंति बाई चौक तक सड़क की चौड़ाई करीब 150 फिट है। इसमें 7 बाई 7 मीटर की फोर लेन रोड बनी है। इसके बाद अवंतिबाई चौक से बोगदा पुलिया तक सड़क की चौड़ाई 80 फिट है। यह सड़क निर्माण के बाद भी दोनो तरफ लगभग 20-20 फिट पटरी के लिए जगह बची है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी विभाग मात्र एक से डेढ़ मीटर की दूरी पर नाली बना रही है, यह सब अतिक्रमण कारियों को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है।

अधिकारी का दावा नहीं है सरकारी जमीन

इस बारे में जब पीडब्ल्यूडी के एसडीओ बीएल पिस्दा से बात की गई तो उन्होंने दावा किया नाली बनाने के लिए सर्वे उनके सामने किया गया है। वहां सड़क से मात्र एक से डेढ़ मीटर ही पटरी के लिए सरकारी जमीन बची है, शेष जमीन निजी है। इसलिए इतने नजदीक से नाली बनाई जा रही है। वहीं भाजपा पार्षद महेश वर्मा का कहना है कि रुंगटा इंजीनियरिंग कॉलेज गेट अपनी जमीन पर बना है। यदि उसकी चौड़ाई और दूसरी तरफ पेट्रोल पंप के पास बनी दुकानो की चौड़ाई ली जाए तो कम से कम 40-40 फिट जगह बचेगी। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मनषा कॉलेज सहित अन्य बेजा कब्जा प्रतिष्ठानों के बचाने के लिए गलत सीमांकन करके नाली बना रहे हैं।

2700 मीटर लंबी बननी है नाली

नाली का निर्माण इंदू आईटी स्कूले के पास स्थित नाले से कुरुद सरकारी स्कूल तक सड़क के दोनों तरफ 2700 मीटर लंबा होना है। नाली की चौड़ाई और ऊंचाई एक बाई एक मीटर की होगी।

घटिया बेस से निर्माण शुरू

वर्तमान में नाली के निर्माण के लिए सरकारी स्कूल के सामने बेस का कार्य चल रहा है। बेस निर्माण काफी कम सीमेंट मिले घटिया मटेरियाल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यदि मानक से नाली नहीं बनी तो पहली बारिश में ही खराब हो जाएगी।

चिट्टा के साथ दो युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हीरोइन (चिट्टा) का अवैध कारोबार कर नशा बेचने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से कुल 5.6 ग्राम चिट्टा, 2 मोबाइल समेत 1 लाख 12 हजार रुपए का सामान जब्त किया गया। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिरकी सूचना पर कैंप-2 भिलाई निवासी उत्तम सिंह उर्फ बॉबी और बैकुंठ धाम दशहरा मैदान कैंप-2 मोहित सिंह चिट्टा बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। छावनी पुलिस मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत के तहत अपराध कायम किया है।

खबर संक्षेप

दुर्गेश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक व महाआरती

दुर्ग। दुगेश्वर महादेव मंदिर, आदित्य नगर में रुद्राभिषेक, भगवान शिव का विशेष श्रृंगार, महाआरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। महाआरती के साथ श्रद्धालुओं ने नए वर्ष की मंगलकामनाएं व्यक्त की और शिव आराधना में हिस्सा लिए। समाज सेविका एवं मंदिर समिति की सदस्य नीलू संजय सिंह द्वारा भक्तों से आग्रह किया गया कि वे घर से सजी हुई आरती की थाली लेकर आएं और शिव परिवार के समक्ष आराधना कर नववर्ष की शुभ शुरुआत करें। मंदिर परिसर में व्यवस्था के लिए स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई गई तथा श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं जल की पर्याप्त व्यवस्था की गई। आयोजन के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहेगा।

ट्राइबोलॉजी पर 13वीं अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस

दुर्ग। आईआईटी भिलाई में ट्राइबोलॉजी (इंडिया ट्राइब) पर तेरहवें अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। यह आयोजन संयुक्त रूप से मैकेनिकल विभाग, आईआईटी भिलाई एवं ट्राईबोलोजी सोसाइटी ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित किया गया। इस कांफ्रेंस का विषय ट्राईबोलोजी फॉर मैनकाइंड था। इस सम्मेलन में शिक्षा जगत और उद्योग जगत के ट्राइबोलॉजी के अग्रणी विशेषज्ञों द्वारा कई पूर्ण सत्र, भाषण और व्याख्यान दिए गए। छात्र शोधकर्ताओं ने भी मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने कार्यों का प्रदर्शन किया, जिससे उभरते हुए विद्वानों को अपने शोध को साझा करने का मंच मिला। आईआईटी भिलाई के निदेशक और सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने अंतर्विषयक अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया। ट्राइबोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो. सतीश वी कैलाश ने व्यावहारिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने और तकनीकी नेटवर्क को मजबूत करने में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों की भूमिका को रेखांकित किया।

मरोदा व सुपेला ओवरब्रिज के नीचे डंप कर रहे बिल्डिंग मटेरियल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

राहगीरों को हो रही परेशानी, मरोदा में ओवरब्रिज के नीचे कब्जा

मरोदा और सुपेला ओवरब्रिज के नीचे बिल्डिंग मटेरियल डंप किया जा रहा है। जिसकी वजह से लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही है। हाल यह है कि लोगों का यहां गुजरना मुश्किल हो गया है। वाहनों के असंतुलित होकर गिरने का खतरा मोल लेकर लोग यहां से आवागमन कर रहे हैं। न ही रिसाली निगम और न ही भिलाई निगम कोई कार्रवाई कर रहा है। जिसकी वजह से लोगों में आक्रोश है।

मरोदा ओवरब्रिज के नीचे लगातार कब्जे बढ़ रहे हैं। पहले ही यहां पर ठेले और खोमचे वालों को रिसाली निगम ने जगह आबंटित कर दी है। इसलिए आबंटितों के व्यवसाय से लोगों को कोई परेशानी नहीं है इसलिए कि वे एक निर्धारत स्थान पर अपना कारोबार चला रहे हैं। लेकिन ओवरब्रिज के नीचे ट्रेडर्स का कारोबारी रेत डंप कर कब्जा कर लिया है। यहां पर इस ट्रेडर्स और भी कब्जे हैं। जलसंसाधन विभाग की नाली पर निर्माण कर लिया है। वहां पर भी मटेरियल डंप करता आ रहा है।

कब्जे कर दुकान तान दिया

मरोदा ओवरब्रिज के नीचे बीआरपी की तरफ एक व्यक्ति ने तो ऐसा कब्जा किया है कि वह पूरे वर्षभर सीजनल कारोबार कर रहा है। बकायदा पाटा डालकर दुकान सजाता है। बोरे से चारों तरफ घेरा भी कर लिया है। मैत्री गार्डन तिराहे से लेकर मरोदा ओवरब्रिज के अंत तक कब्जे का ही खेल चल रहा है। लोग सड़क किनारे बांस-बल्ली डालकर कब्जा किए हुए थे वे अब निर्माण में तब्दील हो रहे हैं।

निगम की कार्रवाई औपचारिक

रिसाली निगम ने सालभर पहले मैत्री बाग तिराहे से लेकर ओवरब्रिज के दोनों छोर पर कब्जे करने वालों पर कार्रवाई की और अब चुप्पी साध ली है। रहवासियों ने बताया कि टंकी मरोदा में सड़क किनारे की दुकानें अब रोड तक आ गई है। कारोबारी अपनी दुकान से सड़क पर सामान निकाल देते हैं। काफी लोगों ने अपनी दुकान के सामने छज्जा निकाल लिया है। तीन साल पहले निगम ने ऐसे समान रखने वालों और दुकान से टीन-टप्पर का सज्जा निकालने वालों पर कार्रवाई की थी। उसके बाद अचानक इसमें ब्रेक लगा दिया गया है। तब से सेटिंग का खेल चल रहा है। कारोबारियों के हौसलें बुलंद हैं।

सुपेला ओवरब्रिज के नीचे की सड़क से नहीं हटा मटेरियल

सुपेला ओवरब्रिज चौक से लेकर चंद्रा मौर्या टाकीज तक जगह-जगह गिट्टी व रेती डंप है। साल बीत गए हैं यह सिलसिला जारी है। लोगों ने बताया कि पार्षदों ने कई बार इस मुद्दे का उठाया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। नतीजा लोगों के दुपहिया वाहन अनियंत्रित होकर गिर जाते हैं। सामने से यदि वाहन आ रहा है तो सड़क साइड से भी पार नहीं कर सकते। जब तक एक वाहन पार नहीं हो जाता दूसरा वाहन आगे नहीं जा सकता।

शास्त्री नगर वार्ड 27 में जर्जर सड़कें, न हो रही मरम्मत, न निकल रहा समाधान

खटाल के गोबर से नालियां हो रही जाम, बना रहता है दुर्घटनाओं का अंदेशा, लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

वार्ड परिक्रमा

कभी बच्चों से गुलजार रहता था गार्डन, आज पड़ा है सुनसान

वार्ड 27 शास्त्रीनगर जर्जर सड़कों, आवारा मवेशियों और अवैध खटाल के चलते समस्याओं का दंश झेल रहा है। यहां के रहवासी काफी परेशान हैं। शासकीय स्कूल के सामने बड़ी संख्या में मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे छात्रों और शिक्षकों को आने जाने में दिक्कतें होती हैं। सड़क पर बंधे मवेशियों के कारण आवागमन बाधित होता है और दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। क्षेत्रवासी स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

नगर निगम के जोन 2 अंतर्गत शास्त्रीनगर के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। यहां की जर्जर सड़कों, आवारा मवेशियों और आवासीय क्षेत्र में चल रहे अवैध खटालों ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। यहां जगह-जगह आवारा मवेशियों का डेरा लगा रहता है। सबसे बड़ी समस्या शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के सामने की है। जहां खाली जमीन पर बड़ी संख्या में मवेशियों का जमावड़ा रहता है। इससे स्कूल के छात्रों और शिक्षकों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

खटालों पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में कई खटाल अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं। दिन के समय यहां के मवेशियों को सड़कों पर बांध कर रखा जाता है, इससे रास्ता जाम होता है। गोबर को नालियों में बहा देने से नालियां जाम हो जाती हैं। लोगों का कहना है की निगम की टीम जब कार्रवाई करती है तो कुछ दिन स्थिति ठीक रहती है उसके बाद स्थिति जस की तस हो जाती है। लोगों ने निगम प्रशासन से अवैध खटालों पर स्थाई कार्रवाई की मांग की है।

तीन दर्शन मंदिर गार्डन बदहाल, संधारण और उन्नयन की जरूरत

तीन दर्शन मंदिर परिसर स्थित गार्डन की हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। संधारण और नियमित देखरेख के अभाव में गार्डन का पूरा स्वरूप बदल गया है। जहां कभी बच्चे खेलते थे आज वही गार्डन वीरान पड़ा हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गार्डन के लिए लगाए गए ओपन जिम और अन्य संसाधन अब काफी पुराने हो चुके हैं। कई उपकरण जर्जर हैं और इस्तेमाल लायक नहीं बचे। कभी यहां बच्चों की भीड़ लगी रहती थी, लेकिन अब मैदान सूना नजर आता है।

अब तक बजट नहीं आया

तीन दर्शन गार्डन के लिए पिछले चार से लगातार निगम निगम से प्रचार किया जा रहा है, अब तक बजट नहीं आया। साक्षरता चौक से बीएम शाह अस्पताल तक जाने वाली सड़क पर डामरीकरण का कार्य किया जाएगा। आवासीय क्षेत्र में संचालित खटाल के लिए कई बार शिकायत की गई है। नगर निगम के कार्रवाई के बाद स्थिति जस का तस हो जाती है। ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है। -**लक्ष्मीबाई साहू,** पार्षद वार्ड 27, शास्त्रीनगर भिलाई

सड़क जर्जर, गड्ढों से गुजर रहे लोग

साक्षरता चौक से बीएम शाह अस्पताल तक जाने वाली सड़क बुरी तरह जर्जर हो चुकी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे लोगों को आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क अस्पताल के लिए प्रमुख मार्ग है। मरीज, एम्बुलेंस और आम राहगीर इसी रास्ते से आवाजाही करते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण सफर जोखिम भरा हो गया है। कई जगहों पर गड्ढे इतने गहरे हैं कि दोपहिया वाहन चालकों को गिरने का खतरा बना रहता है।

जेसीआई के नवगठित पदाधिकारियों ने ली शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

नवीन नेतृत्व, सेवा भाव और संगठनात्मक संकल्प के साथ जेसीआई दुर्ग-भिलाई का 53वां शपथ ग्रहण व स्थापना समारोह लक्ष्याभिषेक 2026 का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर सत्र 2026 की नवगठित कार्यकारिणी टीम लक्ष्य ने संगठन के नियमों के अनुरूप अपने-अपने दायित्वों की शपथ ली। पंडित रविशंकर शुक्ल से अलंकृत मुख्य अतिथि जेसी राजेश अग्रवाल ने संस्था के मेंबर्स को प्रबंधन और मैनेजमेंट के टीम वर्क की सिख दी।

जेसी संतोष कुमार ने अध्यक्ष और जेसी तोरण अटल ने सचिव पद की शपथ ग्रहण की। इसी क्रम में उपाध्यक्ष पद के लिए जेसी अमित शालिनी अग्रवाल, जेसी विवेक संघवी, जेसी हिमांशु देवांगन, जेसी अर्पित चांडक, जेसी अंकित मित्तल एवं जेसी जीएसएम वाम्सी ने अपने दायित्वों की शपथ ली। साथ ही सह-सचिव पद के लिए जेसी गुंजा पिंचा तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए जेसी रितेश पंडित ने भी शपथ ग्रहण की। महिला विंग में लेडी जेसी रानू कुमार ने चेयरपर्सन तथा लेडी जेसी स्वाति अटल ने सचिव पद का दायित्व संभाला। वहीं जूनियर जेसी विंग में जूनियर जेसी वनिशा अग्रवाल ने अध्यक्ष तथा जूनियर जेसी सक्षम सिन्हा ने सचिव पद की शपथ ली। संगठनात्मक दायित्वों के अंतर्गत ग्रीटर पद के लिए जेसी प्रांजल हरिहरनो तथा पीआरओ पद के लिए जेसी प्रखर ट्विंकल पारख ने भी अपने दायित्वों की शपथ ली। संस्था के निवर्तमान अध्यक्ष 2025 जेसी आलोक अग्रवाल ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पीपीपी जेएफआर जेसी राजेश अग्रवाल, जोन 27 के अध्यक्ष जेएफपी जेसी सीए प्रणव लाठ और जोन 27 के उपाध्यक्ष जेफमएॅम जेसी आशीष गोयल उपस्थित रहे।

प्रनय राखी महेश्वरी रहे मास्टर ऑफ सेरेमनी

कार्यक्रम के मास्टर ऑफ सेरेमनी पूर्व अध्यक्ष जेसी प्रनय राखी महेश्वरी रहे। संस्था के अध्यक्ष 2024 जेसी योगेश राठी ने अपनी फेयरवेल भाषण के साथ पूर्व अध्यक्षों की गैलेक्सी को ज्वाइन किया। संगठन के आधार स्तंभों एवं पूर्व अध्यक्षों की गरिमामयी उपस्थिति ने संस्था की सुदृढ़ विरासत को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संचालन में जेसी गीत पुरोहित की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन में लेडी जेसी नीतू बंसल, आयुषी पुरोहित एवं रोशनी जसूजा ने समारोह को अनुशासित और प्रभावशाली ढंग से संपन्न कराने में अपनी भूमिका

5 दिवसीय जूजुत्सु नेशनल चैंपियनशिप में दुर्ग शहर के 7 बच्चों ने जीता पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

उत्तराखंड के हल्द्वानी शहर में 5 दिवसीय जूजुत्सु नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था, प्रतियोगिता में कुल छत्तीसगढ़ से

- उत्तराखंड के हल्द्वानी में हुआ आयोजन

90 प्रतिभागी ने भाग लिया। जिसमें दुर्ग शहर से सात बच्चों ने जूजुत्सु मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में भाग लेकर चार ब्रांच मेडल 1 सिल्वर मैडम प्राप्त किए। काव्या विश्वकर्मा अंडर 16 वेट कैटेगरी फाइटिंग सिस्टम में ब्रॉन्ज मेडल एवं नेवाजा में सिल्वर मेडल प्राप्त किया। वहीं रुचिका देवांगन ने अंडर 12 वेट कैटिगरी में फाइटिंग सिस्टम में ब्रॉन्ज मेडल एवं नेवाजा में भी ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। अमन चंदेल ने अंडर 17 में नेवाजा में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। इस तरह दुर्ग जिला को कुल 4 ब्रॉन्ज मेडल 1 सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। दुर्ग जिला की इस उपलब्धि पर दुर्ग विधायक एवं छत्तीसगढ़ शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से मुलाकात कर सभी बच्चों को मेडल सर्टिफिकेट पहनाकर सम्मानित किया गया। जूजुत्सु एसोसिएशन ऑफ दुर्ग के जिला सेक्रेटरी देवा साहू ने बताया कि यहां बच्चे पिछले 3 वर्षों से हनुमान नगर वार्ड नंबर 21 एवं वार्ड नंबर 11 आशीष इन्फोटेक में सुबह शाम मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग लेते हैं जूजुत्सु एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के महासचिव राणा अजय सिंह वार्ड नंबर 11 के पार्षद आशीष चंद्राकर पटरी पर मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, वार्ड नंबर 21 के पार्षद विद्यावती सिंग, संजय साहू, अरुण सिंह ने बधाई दी।

सेवा ने दी अध्यक्ष संदीप माथुर को भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सेवा गर्वनिंग के द्वारा संस्था के अध्यक्ष और भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधक पर्सनल एचआर संदीप माथुर के दीर्घ सेवाकाल के बाद रिटायर होने पर भावभीनी विदायी दी गई। श्री माथुर ने अपने तीन साल के कार्यकाल में सेवा संगठन से मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का हार्दिक आभार जताया। पदाधिकारियों ने भी कहा कि श्री माथुर के कार्यकाल में बीएसपी के साथ सेवा के सामाजिक सरोकार की परंपरा बहुत अधिक समृद्ध हुई। इसका लाभ सभी सदस्यों मिला। इस अवसर पर इस्पात कर्मचारी क्रेडिट कोआपरेटिव सोसायटी भिलाई के अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्रा सहित मनीष पंत, संजय द्विवेदी, समीर गुप्ता, कृष्णानंद राय, राजेश चौहान, मुकल वर्मा, शैलजा आदि सेवा के पदाधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक चन्द्राकर ने जंजगीरी में 75 लाख रुपए के नवीन विकास कार्यों की दी सौगात

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

विधायक ललित चन्द्राकर ने जंजगीरी में 75 लाख रुपए के नवीन विकास कार्यों की सौगात दी है। जंजगीरी में आयोजित लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होकर

- 15 लाख रुपए की लागत से बनेगा मांगलिक भवन

विधायक ललित चंद्राकर ने नवीन विकास कार्यों की आधार शीला रखी। इसके अंतर्गत 11 लाख रुपए की लागत से निर्मित डोमशेड का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया।

वहीं भूमि पूजन कार्यक्रम अंतर्गत मांगलिक भवन निर्माण कार्य सतनाम पारा अनुमानित लागत राशि 15 लाख रुपए, नकटा तालाब से मुक्ति धाम तक सीसी रोड निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 5 लाख रुपए, मोहन साहू के खेत से मनरेगा भवन तक नाली निर्माण अनुमानित लागत राशि 20 लाख, रामशरण के खेत के पास पुलिया निर्माण अनुमानित लागत राशि 11 लाख रुपए और श्रवण धर से लाभू घर तक नाली निर्माण कार्य अनुमानित लागत राशि 5 लाख 50 हजार रुपए की पूजा अर्चना कर आधारशीला रखी।इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा हमारी सरकार लगातार लोगों के जीवन के खुशियां लाने का काम कर रही और अन्तिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक विकास कैसे पहुंचे इस दिशा में निरन्तर कार्ययोजना बनाकर काम कर रही है। गांव के विकास के लिए पैसे की कमी नहीं होगी। इस अवसर पर जिपं. सदस्य श्रद्धा साहू, जनपद सदस्य व सभापति लोमस चंद्राकर, सरपंच गीता ठाकुर, लीकेश्वर देशमुख, डीलेश्वर साहू, पुराण देशमुख सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

लंबी सेवायात्रा को किया गया सम्मानित दुर्ग नगर निगम में कर्मियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों का बिदाई समारोह आयुक्त सुमित अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यपालन अभियंता आरके जैन, सहायक शिक्षिका विश्वमोहनी देवांगन, सहायक राजस्व निरीक्षक सुरेश श्रीवास्तव और सफाई कामगार मुखिया बाई के सेवानिवृत्त होने पर पुष्पमाला, शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों से कहा कि सेवा के दौरान किस प्रकार से हम अपनी दिनचर्या पर व्यस्त रहते है अब सेवाकाल की लम्बी अवधि का अनुभव का उपयोग शेष समय समाज के उत्थान के लिये करें सेवाकाल के दौरान सामाजिक, पारिवारिक दायित्व जिनमें सहभागिता नहीं की गई उसे अब आप निश्चिंत होकर पूर्ण करें। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके शानदार करियर और नई शुरुआत के लिए बधाई दी। सभापति श्याम शर्मा ने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा, समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी है, उनके योगदान की सराहना की है और उन्हें भविष्य के लिए सुख, स्वास्थ्य और खुशियों से भरी नई पारी की शुभकामनाएं दी हैं,जिसमें उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, देव नारायण चंद्राकर, मनीष साहू, लीलाधर पाल,नीलेश अग्रवाल, संजय कोहले,पार्षद गुलशन साहू आदि मौजूद थे।

सब स्टेशन में लगाया 5 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर

6 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगी ट्रिपिंग से राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र ने मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास

- 99 .92 लाख रुपए रुपए की लागत से कार्य पूर्ण

योजना के तहत सुपेला जोन के अंतर्गत 33/11 केव्ही प्रियदर्शिनी परिसर सब-स्टेशन में 5 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित कर, वहां के रहवासियों को नये वर्ष की सौगात दी है। इस नए ट्रांसफार्मर के चार्ज होने से उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति की जा सकेगी।

प्रियदर्शिनी परिसर सब-स्टेशन में इस कार्य को 99 लाख 92 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया। प्रियदर्शिनी परिसर सब-स्टेशन में पहले से ही 5 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर कार्य कर रहे थे। अब तीसरे ट्रांसफार्मर की स्थापना के बाद सब-स्टेशन की कुल क्षमता बढ़कर 15 एमवीए हो गई है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रब्यूशन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता संजय खंडेलवाल ने बताया कि सब-स्टेशन की क्षमता बढ़ने से भिलाई के प्रमुख क्षेत्रों के निवासियों को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

इन क्षेत्रों को होगा लाभ

नए ट्रांसफार्मर स्थापित करने से कई क्षेत्रों के लोगों को फायदा होगा। इससे मुख्य रुप से प्रियदर्शिनी परिसर, दक्षिण गंगोत्री, आकाश गंगा, संजय नगर, कोसा नगर, राधिका नगर, सुपेला तथा आसपास के क्षेत्रों के लगभग 6 हजार से अधिक उपभोक्ता इस नई स्थापना से सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। उन्होंने इस कार्य को पूर्ण करने के लिए अधीक्षण अभियंता शहर वृत्त जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता एसके रॉय, डीके भारती, नवीन कुमार राठी सहित पूरी टीम को बधाई दी है।

खबर संक्षेप

सेन को चाकू लगने से शहर में मचा हड़कंप

भिलाई। भिलाई में देर रात पूनाराम सेन नाम के युवक को अज्ञात युवक चाकू मारकर फरार हो गया। घटना के बाद विधायक के भतीजे को चाकू लगने की अफवाह फैलने पर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। एएसपी सुखनंदन सिंह राठौर स्वयं अपनी टीम के साथ बीएम शाह हॉस्पिटल युवक को देखने पहुंचे। उन्होंने बताया कि युवक की 18 नंबर रोड पर दुकान है। वह अपनी दुकान बंद कर बाइक से जा रहा था तभी अज्ञात युवक ने उसके कमर के ऊपर चाकू मारा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पूनाराम सेन का विधायक से कोई रिस्ता होना नहीं पाया गया। उसका इलाज जारी है।

बटरेल जागृति स्कूल वार्षिक उत्सव आज

जामगांव आर। जागृति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बटरेल में 5 जनवरी सोमवार को वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया गया है। प्राचार्य टी के पिपरिया ने बताया कि समारोह में छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति तथा वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण एवं वर्ष 2024 -25 की बोर्ड परीक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि गजेंद्र यादव स्कूल शिक्षा मंत्री और विशिष्ट अतिथि डोमन लाल कोर्सेवाडा विधायक अहिवारा एवं उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ शासन रायपुर होंगे। अध्यक्षता रमशिला साहू पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री करेंगी। विशेष अतिथि कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग, अजय साहू जनपद सदस्य पाटन होंगे।

निधन

एमके फिलिप

भिलाई। प्लॉट नं. 145, अय्यप्पा नगर कोहका निवासी एमके फिलिप (89 वर्ष) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मार्थोमा चर्च, सेक्टर-6 भिलाई में किया गया। वे जॉन फिलिप व थॉमस फिलिप के पिता थे।

खेमलता साहू

भिलाई। खेमलता साहू (87 वर्ष) का 4 दिसम्बर को धमतरी में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सांकरा करहीभदर में किया गया। वे सांकरा के पूर्व सरपंच स्व. बिसेश्वर सिंह साहू की पत्नी और लोकेश, गजेन्द्र व विनोद की मां थीं।

गजानंद साहू

जामगांव आर। भरर निवासी गजानंद साहू का निधन हो गया। वे गोविंद साहू के भाई एवं दुष्यंत साहू तेज साहू भास्कर साहू के पिता थे। 6 जनवरी को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भरर में किया गया है।

झुनाबाई साहू

सेलूद। शास्त्री चौक सेलूद निवासी झुनाबाई साहु (72) का निधन हो गया। वे प्रेमनाथ साहु की चाची, खुमान सिंह साहु, परमेश्वर साहु की मां और जितेश, बिरेन्द्र, मिनेन्द्र, खिलेन्द्र, जितेन्द्र और कृष्णकात की दादी थी। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है। अंतिम संस्कार के दौरान बड़ी संख्या में परिवार समाज व गाँव के लोग उपस्थित थे।

भौतिक उन्नति के बीच पारिवारिक जीवन तनावग्रस्त : मंदाकिनी

श्री हनुमान मंदिर प्रांगण, बाजार चौक पाहंदा में जारी है श्रीराम कथा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

श्री हनुमान मंदिर प्रांगण, बाजार चौक पाहंदा में 2 जनवरी से भव्य श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रीराम कथा के माध्यम से धर्म, भक्ति और जीवन मूल्यों पर सारगर्भित प्रवचन हो रहे हैं, जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर है।

श्रीराम कथा महोत्सव के प्रथम दिवस पर प्रवचन करते हुए दीदी मां मंदाकिनी श्रीरामकिंकर ने कहा कि 21वीं सदी में भौतिक जगत में अभूतपूर्व उन्नति हो रही है। हर दिशा में विकास दिखाई देता है, लेकिन यह उन्नति केवल भौतिकता तक सीमित होकर रह गई है। उन्होंने

कहा कि जब हम पारिवारिक जीवन की ओर दृष्टि डालते हैं और आत्ममंथन करते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि आज व्यक्ति का जीवन तनाव से ग्रसित है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज जिन पंडालों में चमत्कार और त्वरित उपाय बताए जाते हैं, वहां भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। यह प्रवृत्ति व्यक्ति को कर्मशील बनाने के बजाय अकर्मण्य बना रही है। आवश्यकता इस बात की है कि व्यक्ति धर्म को केवल सुनने या दिखावे तक सीमित न रखे, बल्कि उसे अपने आचरण में उतारे। श्रीराम कथा महोत्सव के दौरान पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि यहां मिलने वाले विचारों को हम व्यवहार में भी लाएं। इस अवसर पर नंदलाल साहू, गंगूराम साहू, चेतन देवांगन, राजेंद्र साहू, कुलेश्वर साहू, राजेश्वर साहू, दीपक यादव, राजू लाल साहू, चिंटू देवांगन, चेलाराम साहू, टिकेंद्र देवांगन, भेनू साहू, गजेन्द्र साहू, हेमंत साहू सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं श्रोता उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का किया स्वागत

मां शाकम्भरी की शोभायात्रा में जुटे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

कोसरिया पटेल मरार समाज पाटन नगर ने शाकम्भरी महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और धूमधाम के साथ किया गया। माँ भगवती शाकम्भरी की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद माँ शाकम्भरी की भव्य शोभायात्रा पाटन नगर भ्रमण के लिए निकाली गई। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में समाज के 5 वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

इस आयोजन में पाटन राज अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण पटेल, उपाध्यक्ष हुलेश्वर पटेल, कोषाध्यक्ष रामबदन पटेल, युवा अध्यक्ष गैंदलाल पटेल, कार्यालय सचिव महेश पटेल, नरसिंह पटेल, उपकोषाध्यक्ष अनिल पटेल, महिला प्रकोष्ठ से हेमलता पटेल, अन्नपूर्णा पटेल (पार्षद वार्ड 12), योगिता पटेल, पाली प्रमुख विनय पटेल, डोरीलाल पटेल, श्रवण पटेल, अनुज पटेल सहित वरिष्ठजन भूषण पटेल, शोभाराम पटेल, नारायण पटेल, अश्वनी पटेल , विषुणा पटेल , पवन पटेल , भगंल पटेल ,लाला पटेल ,रोहित पटेल ,नकुल पटेल ,जगदीश पटेल , प्रभु पटेल और लेवाराम पटेल विशेष रूप से मौजूद रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुति सहित विविध आयोजन हुए

पटेल समाज ने धूमधाम से मनाई शाकंभरी जयंती

उतई-अंडा। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के रिसामा में ग्रामीण स्तरीय कोसरिया मरार समाज मां शाकंभरी जयंती का आयोजन किया गया। मुख्यअथिति प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने पटेल समाज की कुल देवी माता शाकंभरी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि पटेल समाज एक मेहनतकश समाज है, संगठित होकर यह समाज निरंतर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान भव्य आरती की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान विशेष अथिति पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगिता चंद्रकार, सरपंच ग्राम रिसामा रोशन साहू, पूर्व सरपंच गीता महानंद, डॉ पिलेश्वर साहू, राजू चंद्रकार, समाज अध्यक्ष मूलेश्वर पटेल,भवानी पटेल, समय लाल पटेल,आत्मा राम पटेल,कामता पटेल जानकी पटेल, पूर्णिमा पटेल,रेनी पटेल, भानुपटेल सहित समाज के वरिष्ठ गण उपस्थित थे।

अंचल की खबरें

'अनमोल वचन' का विमोचन किया सांसद बघेल ने

सेलूद। छत्तीसगढ़ मेहर समाज के गौरव डॉक्टर बलराम मिर्जा द्वारा लिखित किताब 'अनमोल वचन' का विमोचन दुर्ग जिला सांसद विजय बघेल ने किया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता हर प्रसाद आडिल, दुर्ग जिला मेहर समाज के अध्यक्ष कन्हैया लहरी, किशोर कनौजिया, राम ब्रिज लहरी, तुलसी दक्षिणे, सुभाष दक्षिणे, बहादुर बघेल, रामचंद्र लहरे, सुखित राम लहरे, सिया राम रात्रे, कन्हैया रावते, जीवन डाडे, मिलाप आडिल, रंजन लाल मिर्जा, डॉक्टर बलराम मिर्जा और ईश्वर लहरी सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए वरिष्ठ कार्यकर्ता जन उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य व रक्तदान शिविर 8 को

सेलूद। परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा के तत्वावधान में 8 जनवरी को ग्राम देमार में आयोजित राजिम जयंती महोत्सव के अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी ने बतलाया कि राजिम जयंती महोत्सव में स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ रक्तदान जैसे पुनीत कार्य को प्रोत्साहित करना है। आयोजन की विशेष बात यह है कि रक्तदान करने वाले सभी दानदाताओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु हेलमेट प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराने एवं रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान देने की अपील की है। क्षेत्र में पहली बार भक्तिन माता राजिम की जयंती महोत्सव के आयोजन को लेकर सामाजिक जनों में उत्साह है। कार्यक्रम की शुरुवात सुबह 10 बजे विशाल कलश शोभायात्रा के साथ होगी। उसके पश्चात दोपहर बजे 12 बजे से विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, अतिथियों का आगमन सामाजिक संदेश एवं सम्मान समारोह के पश्चात प्रसाद वितरण उपरांत समापन होगा।

रोजगार व आजीविका को मिला नया संबल

अंडा। ग्राम पंचायत आमटी में केंद्र सरकार की योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन–ग्रामीण के अधीन कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत आमटी की सरपंच दुर्गा पुरुषोत्तम चौधरी के साथ रोजगार सहायक देवकुमार साहू, मोहन सगरवंशी, कन्हैया चौधरी, दीनदयाल साहू, खोरबाहरा पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बच्चों ने लगाया आनंद मेला, हुआ रामायण पाठ

अंडा। ववर्ष के पावन अवसर पर ग्राम परसदा स्थित माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा आनंद मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाला प्रांगण में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के अंतर्गत रामायण पाठ का भी आयोजन किया गया, जिससे पूरे गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा। रामायण पाठ का वाचन तुलसी पथ मानस परिवार द्वारा किया गया। इस दौरान तरूण साहू, चंद्रप्रकाश विश्वकर्मा, कृष्णा विश्वकर्मा, महेंद्र साहू, यादो राम साहू एवं ढेलूराम साहू ने सहभागिता निभाते हुए श्रद्धापूर्वक रामायण पाठ किया। इस अवसर पर शिक्षकगणों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें माध्यमिक प्रधानपाठक महेश चंद्राकर, प्राथमिक प्रधान पाठक यीतेश ध्रुवे, शिक्षक रविन्द्र चंद्राकर आदि शामिल है।

टर्मिनेटर ने साहिल एकेडमी को 173 रनो से हराकर फाइनल में किया कब्ज़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

साहिल क्रिकेट एकेडमी के तत्वाधान में आयोजित साहिल विंटर कप 16 आयु वर्ग में शनिवार को खेले गए प्रतियोगिता के फाइनल मैच में टर्मिनेटर एकेडमी के कप्तान आरव राज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए टर्मिनेटर एकेडमी ने निर्धारित 40 ओवरों में बिना विकेट खोए 217 रन का बड़ा स्कोर बनाया। टर्मिनेटर इंटरनैशनल क्रिकेट एकेडमी के तरफ से बल्लेबाजी करते हुए सुनिश मावर ने नाबाद 104 रन और कप्तान आरव राज ने नाबाद 104 रनो की पारी खेल कर टर्मिनेटर क्रिकेट एकेडमी के स्कोर को 217 तक पहुँचाया। जवाब में 217 रनो के लक्ष्य का पिछा करते हुए शाहिल क्रिकेट एकेडमी रायपुर की पूरी टीम 24 ओवर में मात्र 44 रनो पर ऑल आउट हो गयी।

टर्मिनेटर इंटरनैशनल क्रिकेट एकेडमी के तरफ से गेंदबाजी करते हुए साहित्य ने 4 विकेट एवं मेहुल देवांगन ने 2 विकेट के और वेदप्रकाश ने 1 विकेट लिया इसके अलावा कप्तान आरव राज और काव्य साहू ने 1-1 लिए प्राप्त किये।

मनखे-मनखे एक समान को आत्मसात करने का संकल्प लिया ग्रामीणजनों ने

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

तहसील सतनामी समाज पाटन के तत्वावधान में सतनाम भवन पाटन में छेरछेरा पुन्नी के पावन अवसर पर परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा की जयंती श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर समाजजनों ने जय स्तंभ में पालो चढ़ाकर पूजा-अर्चना की तथा बाबा जी के संदेश "मनखे-मनखे एक समान" को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले थे। उनके साथ जनपद पंचायत पाटन की सदस्य रेखा अंबेडकर जोशी, ग्राम पंचायत औसर डिघारी की सरपंच प्रियलता महिपाल, अंडा परिक्षेत्र के अध्यक्ष दिनेश देशलहरे, बलौदाबाजार भारत टंडन, राजेश ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी और जनपद सदस्य आनंद

बघेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों ने गुरु घासीदास बाबा जी के जीवन, त्याग और सामाजिक समरसता के संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा जी ने समाज को सत्य, अहिंसा, समानता और मानवता का मार्ग दिखाया। छेरछेरा पुन्नी जैसे पर्व सामाजिक एकता, सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सतनामी समाज पाटन के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की और भजन-कीर्तन के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया। अंत में सभी अतिथियों का समाज की ओर से सम्मान किया गया एवं प्रसाद वितरण किया गया।

इस कार्यक्रम की जानकारी जिला अध्यक्ष सतनामी समाज दुर्ग (युवा प्रकोष्ठ) श्री अहेन्द्र चेलक द्वारा दी गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में तहसील सतनामी समाज पाटन के समस्त पदाधिकारियों एवं युवाओं का विशेष योगदान दिया।

तहसील साहू संघ पाटन की बैठक में राजिम जयंती और युवा महोत्सव पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पाटन

तहसील साहू संघ पाटन की एक महत्वपूर्ण बैठक साहू सदन अटारी पाटन में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत समाज की देवी भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना से हुई। बैठक मे जिला साहू संघ दुर्ग के जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू , जिला महासचिव अश्वनी साहू और जिला कोषाध्यक्ष दिलीप साहू उपस्थित रहे। बैठक में 7 जनवरी को राजिम जयंती और 12 को जनवरी युवा महोत्सव कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। इकाई अध्यक्षगणो ने मृत्यु भोज पर चर्चा करते हुए सभी इकाई पर नियम अनुसार परिपालन करने तहसील द्वारा निर्देशित करने अपने बात कही। बैठक को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने कहा, ₹आप सबकी एकजुटता ही समाज की शक्ति है। जिला साहू संघ दुर्ग महासचिव अश्वनी साहू ने समाजिक चिंतन करते हुए हो रहे समाजिक अवरोध पर अपने सम्बोधन मे कहा कि चुनाव के बाद सब कुछ भूलकर एक परिवार की तरह एक होकर समाज का कार्य करे। इस अवसर पर मुख्य रूप से अध्यक्ष लालेश्वर साहू सहित डुलेश्वर साहू उपाध्यक्ष, विमला साहू उपाध्यक्ष, सुरेन्द्र कुमार साहू संगठन सचिव, भुनेश्वरी साहू संगठन सचिव, महासचिव महेन्द्र कुमार साह, कोषाध्यक्ष नारद साहू, पुरन लाल साहू वरिष्ठ सलाहकार, दिनेश साहू सलाहकार सहित सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नवर्वष पर की पूजा-अर्चना

पाटन। नव वर्ष के उपलक्ष्य पर पाटन नगर पंचायत के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने सपत्नीक नगर में प्रसिद्ध माँ महामाया मंदिर व माँ शीतला मंदिर में पूजा अर्चना कर नगरवासियों एवं प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की। इस दौरान रीना भाले,उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी,सभापति व वार्ड 11 पार्षद केवल देवांगन, वार्ड 2 पार्षद जितेन्द्र निर्मलकर आदि मौजूद थे।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल-कोहका
तहसील व जिला-दुर्ग
सूचना-पत्र

क्रमांक /133/रा.नि./2026
कोहका दिनांक 03/01/2026

1. आवेदक श्रीमती - मंजू देवी अग्रवाल ध.प. राम अवतार अग्रवाल निवासी नेहरू नगर, भिलाई
2. आशीष अग्रवाल निवासी कैलास नगर भिलाई
3. एन. शैलजा पनि धनराजु
4. एन. संतोषी पति एल रामाराव
5. सुदेश मिश्रा पिता जमुना प्रसाद
6. संतोष पात्रो
7. ओम सिंग

विषय :- सीमांकन/स्थल जांच के संबंध में सूचना बावत ।

ग्राम कुरुद प.ह.न.46 रा.नि.मं.कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1607/99 रकबा 0.060 हे. का सीमांकन/स्थल जांच हेतु न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर/ अधीक्षक भू-अभिलेख / सिविल न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर/ अधीक्षक भू-अभिलेख शाखा दुर्ग के ज्ञापन क्रमांक 04 दिनांक 01/01/2026 के परिपालन में दिनांक 08/01/2026 को समय 11 से 5 बजे के बीच में सीमांकन/स्थल जांच किया जाना है। अतः आप सभी हितबद्ध पक्षकार अपने दस्तावेज सहित नियत तिथि एवं समय में उपस्थित होवे, बाद की आपत्ति स्वीकार नही होगी ।

राजस्व निरीक्षक
कोहका

प्रशिक्षण शिविर में निखर रही बच्चों की खेल प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

पाटन ब्लॉक के ग्राम पाहंदा (अ) में खो खो खिलाड़ियों के लिए 9 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यहां से चयनित खिलाड़ी तेलंगाना वारंगल काजीपेट में नेशनल खो खो टूर्नामेंट में शामिल होंगे। इसके लिए ट्रेनिंग के अंतिम दिन टीम का चयन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ एमच्योर खो खो संघ के तरफ से ये खिलाड़ी नेशनल टूर्नामेंट में शामिल होंगे। एकलव्य खो खो संघ पाहंदा द्वारा बच्चों को भोजन और आवास की व्यवस्था मुहैया कराई जा रही है। इस कैंप में बस्तर, राजनांदगांव, भिलाई, कांकेर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, नारायणपुर, बालोद, बलौदाबाजार, रायपुर और बेमेतरा सहित अन्य जिलों के खिलाड़ी शामिल हो रहे है। इस कैंप के आयोजन में अध्यक्ष टीका राम साहू, सचिव तरुण शुक्ला, कोच मुरली रेड्डी और सहायक कोच गजेंद्र यादव का सहयोग मिल रहा है। एमेच्योर खो खो संघ द्वारा बच्चों की खो खो प्रैक्टिस की सुविधा कराई जा रही है। अध्यक्ष टीका राम साहू ने बताया कि अभी वर्तमान में 30 खिलाड़ी खो खो की ट्रेनिंग दी जा रही है। उन्होंने बताया कि यहां के बच्चे खो खो में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे है। नेशनल और राज्य स्तर के कई टूर्नामेंट में विजेता रहे है। पिछले दिनों बालोद जिला के हल्दी में आयोजित स्पर्धा में भी चैंपियन रहें। अखिल भारतीय स्तर पर भी एक दर्जन से अधिक बच्चे खो खो स्पर्धा में शामिल हुए है।

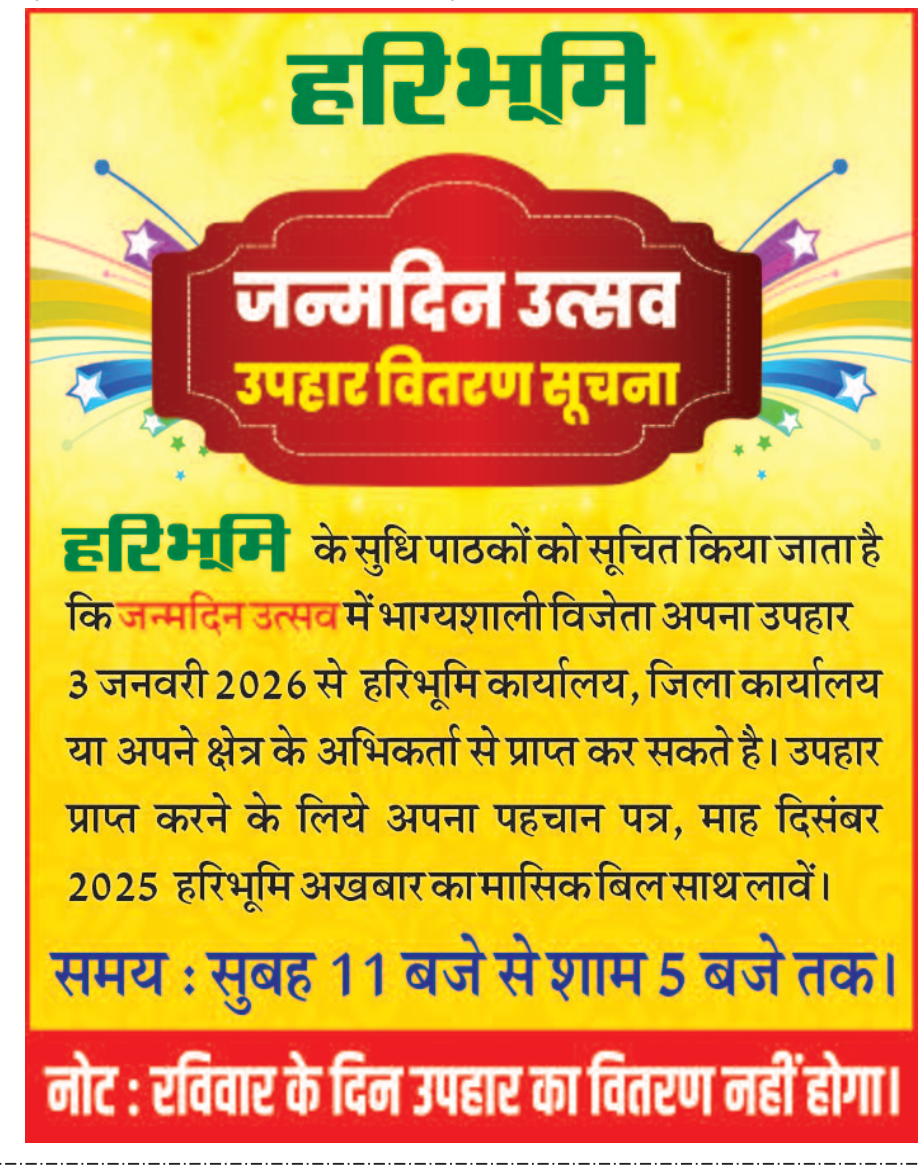

श्री गुरु गोविंद सिंघ जी के
प्रकाश पर्व
की
लख्-लख्
बधाईयां
N.H. ENTERPRISES
श्री गुरु गोबिन्द सिंघ जी के प्रकाश पर्व की लख्-लख् बधाईयाँ...
Manufacture of all types Hydraulics Items
Engineers, Fabricators & Contractors
Tarnjit Singh Bhogal
6/P, Nandini Road, Industrial Estate, Bhilai
Phone : 9827178382, 9300245682
E-mail : nh63bhogal@gmail.com

श्री गुरु गोविंद सिंघ जी के
प्रकाश पर्व की
लख्-लख् बधाईयां
श्री गुरुनानक सार्वजनिक धर्मशाला
हॉस्पिटल सेक्टर, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
श्री बी.एल. नेब अध्यक्ष
स. पलविन्दर सिंघ रंधावा उपाध्यक्ष
श्रीमती इंद्रजीत कौर उपाध्यक्ष
स. निर्मल सिंघ रंधावा सचिव
स. कुलदीप सिंघ सह सचिव
स. जसवंत सिंघ कोषाध्यक्ष
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

श्री गुरू गोविंद सिंघ जी
के
प्रकाश पर्व
की लख्-लख्
बधाईयां
PRINCIPAL & STAFF
KHALSA PUBLIC SCHOOL &
KHALSA COLLEGE
MANAGEMENT COMMITEE &
KHALSA EDUCATION SOCIETY
ADDRESS : OPPOSITE R.T.O. OFFICE, DURG
Mob. : 9826393397, 7000791700

BHILAI PUBLIC SCHOOL
ENGLISH MEDIUM SENIOR SECONDARY SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE, NEW DELHI (3330229)
श्री गुरू गोविंद सिंघ जी के
प्रकाश पर्व की
लख्-लख् बधाईयां
bhilaipublicschool
Maroda, Bhilai, Dist- Durg (C.G.)
Call : 0788-2265630, 9827154445, 9755536136
E-mail - bspbhilai@gmail.com
Website : bhilaipublicschool.com

श्री गुरू गोविंद सिंघ जी के
प्रकाश पर्व की लख्-लख् बधाईयां
जितेंदर सिंघ
सुखदेव सिंघ
गुरदीप सिंग (राजा)
सिकंदर सिंघ
मनमीत सिंग कंडा
सिंघरा सिंघ
राजा संधू
हरविंदर सिंघ
प्रिंस कबरवाल
हरदीप सिंघ
अरविन्दर सिंघ खुराना
अध्यक्ष
अल्पसंख्यक मोर्चा भारतीय जनता पार्टी, जिला-दुर्ग
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
एम.एस.एम.ई. जिला उद्योग संघ

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 5 जनवरी 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

भागवत कथा सुनने से होते है पाप नष्ट, भागवत कथा मनोरंजन नहीं, आत्मरंजन का माध्यम

लाइव इवेंट

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी मनमोहक प्रस्तुति, छात्राओं को किया प्रोत्साहित

भिलाई। महिला महाविद्यालय भिलाई में नए साल का आयोजन हर्षोल्लास, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आयोजित किया गया। महाविद्यालय परिसर में नववर्ष के स्वागत के लिए एक सौहार्द एवं प्रेरणादायक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की विधिवत पूजा अर्चना से की गई, जिसमें महाविद्यालय के सभी सदस्यों ने मां सरस्वती से विद्या, बुद्धि, सृजनशीलता एवं प्रगति की कामना की।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रतिभा छाया क्लॉडियस ने सभी प्राध्यापिकाओं, अधिकारियों और कर्मचारियों को नववर्ष की शुभकामनाएं प्रे देते हुए कहा कि नया वर्ष नए अवसरों, नई संभावनाओं और नए संकल्पों का प्रतीक है। उन्होंने इस नए वर्ष में महाविद्यालय की निरंतर उन्नति, शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान गतिविधियों के विस्तार तथा छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित किया। नववर्ष समारोह के अंतर्गत महाविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्राध्यापिकाओं द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। गीत, संगीत, समूह गायन एवं अन्य रचनात्मक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उल्लास और आनंद से भर दिया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल मनोरंजन प्रदान किया, बल्कि आपसी सौहार्द, टीम भावना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को भी प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने बीते वर्ष की उपलब्धियों को याद करते हुए नए वर्ष में बेहतर कार्य, नवाचार और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। समापन अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए नए उत्साह और ऊर्जा के साथ नए वर्ष का स्वागत किया। इस आयोजन के माध्यम से उपस्थित सभी लोगो ने महाविद्यालय के लिए प्रेरणा, उल्लास और एकजुटता का संदेश दिया।

सिटी इवेंट

नव वर्ष पर किया वैदिक यज्ञ : वेद मंत्रोच्चार कर दी सामूहिक आहुति

भिलाई। नववर्ष के अवसर पर नेहरू नगर में वैदिक परंपरा के अनुरूप यज्ञ और पारिवारिक सत्संग का आयोजन किया गया। यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान न होकर जीवन को संतुलित, संयमित और समाजोन्मुख बनाने की सतत साधना का प्रतीक बना। नववर्ष पर आयोजित यज्ञ के 9वें वर्ष से निरंतर चल रही परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए यज्ञ को जीवन-दर्शन और सामाजिक चेतना के रूप में स्वीकार किया गया साथ ही नए साल पर समाज में सदाचार और सेवा का संकल्प लिया।

यज्ञ में यजमान कर्नल परमवीर भल्ला उपस्थित रहे। नेहरू नगर में आयोजित इस वैदिक यज्ञ में वेद मंत्रोच्चार, सामूहिक आहुति और सत्संग के माध्यम से वातावरण श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया। यज्ञ का संचालन आचार्य अंकित शास्त्री ने किया। उन्होंने कहा कि यज्ञ केवल अग्नि में आहुति देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन को पवित्र और समाज को जोड़ने का माध्यम है।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपने उद्बोधन में यज्ञ को विष्णु के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि जैसे विष्णु संकट के समय संरक्षण और संतुलन प्रदान करते हैं, वैसे ही यज्ञ मानव जीवन की समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करता है। उन्होंने विष्णु के चार प्रतीकों शंख, चक्र, पद्म और गदा को जीवन जीने की कला बताते हुए कहा कि शंख मधुर वाणी, चक्र सतत गति, पद्म शुद्ध धन और गदा धर्मयुक्त शक्ति का प्रतीक है। मुख्य यजमान कर्नल परमवीर भल्ला एवं रीता भल्ला ने कहा कि यह आयोजन परिवार और समाज को संस्कार, सेवा और संगठन से जोड़ने का सशक्त माध्यम बना है। इस दौरान खंडूजा, अरुण जुल्का, अवनी भूषण, रवि आर्य, प्रवीण गुप्ता, सुदर्शन गुप्ता, राजकुमार भल्ला, राजीव भल्ला, सरपाल, धनाराम सहित आर्य समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

● नाचा कलाकारों के आत्मसंघर्ष व सौर ऊर्जा से ग्राम्यांचल में जीवन को करवट बदलते देख दर्शक विभोर

ट्विनसिटी के कलाकारों की फिल्म नजरिया अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में मचाएगी धूम, भिलाई में पहला प्रदर्शन रहा यादगार

इप्टा भिलाई के रंगकर्मियों सहित कई नामचीन नाचा कलाकारों द्वारा अभिनीत की गई फिल्म नजरिया का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के लिए चयन किया गया है। आज भिलाई के एसएनजी स्कूल के ऑडिटोरियम में बुकलोर की बैनर तले फिल्म को पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर कला व साहित्यकार बिरादरी सहित सिनेप्रेमियों को दिखाया गया। फिल्म की कहानी ने सभी को एक नेक पैगाम देते हुए भाव विभोर कर दिया। छत्तीसगढ़ के कलाकारों की जुनूनी जद्दोजहद ग्राम्यांचल में वैकल्पिक ऊर्जा के प्रयास को दिखाने वाली फीचर फिल्म नजरिया का रविवार को एसएनजी स्कूल के आडिटोरियम में पहला यादगार प्रदर्शन किया गया। इप्टा भिलाई के युवा निर्देशक चित्रांश श्रीवास्तव गोर्की के निर्देशन में बनी इस फिल्म की खासियत इसमें भिलाई दुर्ग व अंचल के कलाकारों सहित हालिया रिलीज सुपरहिट फिल्म धुरंधर में अजमल कसाब का दमदार किरदार निभाने वाले कलाकार दलविंदर सैनी के अभिनय की अमिट छाप है।

भिलाई। फिल्म को यहां सुधी दर्शकों ने खासा सराहा। आशुतोष ठाकुर ननिर्मित फिल्म नजरिया की कहानी नायक रुपेश (अमित चौहान) के इर्द गिर्द घूमती है। रूपेश एक मुफलिस और जुनूनी नाचा कलाकार है, जो दिल्ली जाकर नाचा कंपनी में शामिल हुए। वो एक बड़ा कलाकार बनना चाहते थे, लेकिन पिता बैजनाथ देशमुख, जो छग बालोद भैंसबोड़ के एक बुजुर्ग नाचा कलाकार हैं, के साथ जाने से इनकार करने व उनके बीमार होने से उसे मायूस होना पड़ा। रुपेश की पत्नी महुआ भी उसके नजरिया बनने से बेजार हो कर मायके में जा बैठी है। बरसों बड़ा लोककलाकार बनने का सपना संजोए व बिजली की आंखमिचौली से जूझ रहे रूपेश के अपने घर पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने के लिए जमा किए किश्त के सारे पैसे पिता के इलाज मे खर्च हो जाते हैं। अपने आत्मसंघर्ष और बड़ा कलाकार बनने की जद्दोजहद के बीच रूपेश का देश का बड़ा नाचा कलाकार बनने का ख्वाब टूटकर चकनाचूर हो जाता है। फिल्म का अंत गांव गांव में सौर ऊर्जा के मद्धिम प्रकाश के बीच उसके नाचा मंचन के दौरान रूपेश के मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा अपने गांव की मिट्टी में ही रहूंगा के मार्मिक संवाद से होता है और दर्शक भावविभोर हो जाते हैं। फिल्म के प्रीमियर शो में राजेश श्रीवास्तव, मणिमय मुखर्जी, जेपी नायर, बीबी परगनिहा, हरजिंदर मोटिया, राजकुमार सोनी, सुचित्रा मुखर्जी व प्रो. सुचित्रा शर्मा, डॉ. शर्मा सहित बड़ी संख्या में रंगकर्मी और कलाप्रेमी उपस्थित थे। निर्देशक चित्रांश श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार जताया।

दर्शकों की मिली सराहना

फिल्म नजरिया के निर्देशकीय कसावट और कलाकारों के अभिनय के साथ संदेशपरक होने की दर्शकों ने खासी प्रशंसा की। कलाकारों ने भी अपनी भूमिका को जमीन से जुड़ा बताया। फिल्म में नायक अमित, देवनाराण साहू सहित प्रसिद्ध नाचा कलाकार दीन दयाल रंगारी व बैजनाथ देशमुख समेत फिल्म धुरंधर में कसाब की भूमिका अदा करने वाले भिलाई के दलविंदर सैनी (नाचा कंपनी मैनेजर देवेंद्र) व पत्नी महुआ (आरती यादव) मुंबई ने प्रभावी अभिनय किया। नितिन प्रजापति का कला और राहुल चौधरी का सह निर्देशन व रोहन के संगीत ने भी फिल्म को दर्शनीय बनाया। फिल्म की पूरी शूटिंग छग के भैंस बोड़ यानी प्रसिद्ध बुजुर्ग नाचा कलाकारों की कर्म स्थली भैसबोड़ बालोद में हुई। आघातवक्र नाटक में काम कर चुके दिलविंदर सैनी ने बताया कि लोक कलाकारों के संघर्ष पर बनी नजरिया में अभिनय करना धुरंधर के किरदार से बिल्कुल अलग अनुभव रहा। दोनों ही बिल्कुल अलग अलग हैं। निर्देशक चित्रांश श्रीवास्तव बताते हैं कि इस फिल्म में कलाकारों के आत्म संघर्ष व जिंदगी की सच्चाई के बीच दम तोड़ते उनक सपने को दिखाया गया है। साथ ही ग्राम्यांचल के जीवन में कैसे सौर ऊर्जा से जीवन बदल रहा है, यह संदेश देने की भी कोशिश की गई है। छग के प्रसिद्ध नाचा कलाकार डुमन सिंह व बैजनाथ देशमुख के कलात्मक योगदान ने फिल्म को प्रभावी बनाया। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल सीधी में इस फिल्म का चयन होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है।

ईसा मसीह पर आधारित गाए रवीन्द्र संगीत और प्रार्थना गीत, किया वेद मंत्र और आलेख पाठ

भिलाई। कला, संगीत, नृत्य, वादन प्रशिक्षण संस्था गीत वितान कला केन्द्र स्कूल ऑफ परफार्मिंग आटर्स भिलाई द्वारा संस्था का 33वां स्थापना दिवस रूआबांधा संस्था के भवन में मनाया गया। जिसमें विशेष रूप से बैंक आफ बड़ौदा की शाखा प्रबंधक मौमीता मंडल, डाक्यूमेन्ट्री फिल्म मेकर सत्येन्द्र टण्डन और शक्तिपद चक्रवर्ती अध्यक्ष कला साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़, मुख्य संरक्षक ऑफिसर एसोसियेशन अध्यक्ष एन के बंछोर, पूर्व सचिव परविन्दर सिंग विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था की अध्यक्ष रजनी सिन्हा, उपाध्यक्ष सोमेन कुण्डू और कार्यकारणी समिति सदस्यों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। संस्था की छात्रा सुपर्णा चक्रवर्ती, जॉली चक्रवर्ती द्वारा वेद मंत्र और आलेख पाठ किया गया।

इसके पश्चात संस्था के विद्यार्थियों को परीक्षा में उत्तीर्ण विशारद एवं स्नातकोत्तर रत्न उपाधि प्रस्तुति पत्र अतिथियो द्वारा प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति में सरस्वती वंदना जयंती जय जय मां सरस्वती गीत से प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर शांति निकेतन बोलपुर द्वारा आयोजित क्राइस्ट महोत्सव को अनुसरण करते हुए विशेष प्रार्थना ईसा मसीह पर आधारित रवीन्द्र संगीत एवं प्रार्थना गीत गायन विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन रचना श्रीवास्तव और नृत्यमणी मिथुन दास ने सभी की आभार व्यक्त किया।

डीपीएस दुर्ग की प्रशस्ति ने राष्ट्रीय ताइक्वांडो लीग में जीता स्वर्ण पदक

भिलाई। दिल्ली पब्लिक स्कूल दुर्ग की कक्षा दूसरी की छात्रा प्रशस्ति तिवारी ने राउरकेला में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो लीग में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और शहर का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय ताइक्वांडो लीग में देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच छात्रा प्रशस्ति ने उत्कृष्ट कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए अपनी अंडर 18 केजी कैटेगिरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने प्रशस्ति को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ कलार समाज का महोत्सव में दी रंगारंग प्रस्तुति

सामाजिक एकता और संस्कारों को सुदृढ़ करने का सशक्त मंच कलार महोत्सव, युवक-युवतियों ने दिया परिचय

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ कलार समाज द्वारा वार्षिक कलार महोत्सव और पारिवारिक मिलन समारोह का ओयजन गंजमंडी दुर्ग में आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति दी गई। साथ ही शिक्षा, कला सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के बच्चों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने समाज को संस्कारवान बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को संगठित रखने, नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाने और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समाज की मजबूती ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

बदलते सामाजिक परिवेश में परिवार की एकता, नैतिक मूल्यों की शिक्षा और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। समाज की मजबूती ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है, और कलार समाज सदैव सामाजिक समरसता, सेवा एवं सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता रहा है। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार, समाज के अध्यक्ष सुरेश सिन्हा, संरक्षक भुनेश्वर सिन्हा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

वरिष्ठजन अपने अनुभवों से युवाओं को दें सही दिशा

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से समाज द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों से आह्वान किया कि वे अपने अनुभवों और मूल्यों के माध्यम से युवाओं को सही दिशा प्रदान करें।

होनहार हुए सम्मानित

कलार समाज के महोत्सव में शिक्षा, कला एवं रचनात्मक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री श्री यादव ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यही बच्चे आने वाले समय में समाज और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

सिटी इवेंट

सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने जनभागीदारी जरूरी

भिलाई। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रविवार को यातायात पुलिस ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों की मदद के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन ट्रैफिक टावर नेहरू नगर में किया। शिविर में पुलिस कर्मचारियों के साथ आम नागरिकों ने भी हिस्सा लिया और कुल 38 लोगों ने रक्तदान भी किया। साथ ही यातायात के नियम व जागरूकता वाले कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। अधिक से अधिक लोगों को सुरक्षित परिवहन और सड़क सुरक्षा के लिए 1 से 31 जनवरी तक जिलेभर में अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत ट्रैफिक टावर नेहरू नगर में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग विजय अग्रवाल ने रक्तदाताओं और यातायात पुलिस के जवानों को प्रमाण पत्र और हेलमेट देकर सम्मानित किया। एसएसपी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस के साथ समाज की भागीदारी भी जरूरी है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान नेशनल हाईवे पर बिना हेलमेट चलने वाले 100 दोपहिया चालकों को रोका गया। उन्हें समझाइश दी गई, हेलमेट की उपयोगिता बताई गई और निशुल्क हेलमेट भी वितरित किए गए। एसएसपी विजय अग्रवाल ने सभी को शपथ दिलाई कि वे हेलमेट और सीट बेल्ट का पालन करेंगे, नशे में वाहन नहीं चलाएंगे और अपने परिजनों को भी यातायात नियमों के लिए प्रेरित करेंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ऋचा मिश्रा ने कहा कि जब सड़क दुर्घटना में कोई घायल होता है तो आंधे घंटे का समय गोल्डन आवर होता है। अगर उन्हें मदद मिल जाए तो उनकी जान बच सकती है। इस दौरान सबसे बड़ी जरूरत होती है ब्लड की। लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने के लिए बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले लोगों से ब्लड डोनट कराकर उन्हें हेलमेट दिया जाएगा। कई लोग बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन चलाते हैं। जब सड़क दुर्घटना में किसी की मौत हो जाती है तो उसके परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ता है। रक्तदान शिविर के दौरान अतिरिक्त यातायात निरीक्षक पीडी चंद्रा, जनक राम कुरे, तापेश्वर नेताम, युवराज साहू, प्रकाश कांत, चैंबर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री अजय भसीन, दिशा सामाजिक संस्थान, आशीर्वाद ब्लड बैंक संचालक विकास जायसवाल व उनकी टीम, बीएसपी की नुकड़ नाटक टीम, गौ सेवा समिति और यातायात पुलिस के जवान मौजूद थे।

समाज इवेंट

सेन महाराज की पूजा-अर्चना कर हुई पदाधिकारियों की नियुक्तियां

दुर्ग। सर्व नाई सेन समाज दुर्ग जिला अंतर्गत धमधा ब्लॉक कार्यवाहक अध्यक्ष मानु छोटेलाल सेन के दिशा-निर्देशन से घनश्याम सेन के नेतृत्व में नंदिनी, अहिवारा इकाई की बैठक सेन भवन अहिवारा में हुई। बैठक की शुरुआत संत शिरोमणि सेनजी महाराज की पूजा-अर्चना से की गई। बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष भीखम सेन विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में इकाई की रिक्त पदों पर नियुक्ति की गई। ब्लाक अध्यक्ष मानु सेन के निर्देश पर घनश्याम सेन इकाई अध्यक्ष ने चुम्मा सेन को इकाई का सचिव नियुक्त किया। राजू सेन अध्यक्ष सेलून संघ धमधा ब्लॉक के निर्देश पर यादराम सेन इकाई अध्यक्ष सेलून संघ द्वारा रामरतन सेन को कोषाध्यक्ष, सत्यम उमरे अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ द्वारा नकुल सेन को इकाई अध्यक्ष और निखिल सेन को उपाध्यक्ष वहीं मंजु सेन अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ के निर्देश से ज्योति सेन को इकाई अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर महेंद्र सेन द्वारा बेस्ट परिवार कूपन का लॉटरी निकालकर बेस्ट परिवार का सम्मान किया गया। बैठक में समाज के दिशा-निर्देश के संबंध में सभी को अवगत कराया गया और दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। सेलून संघ, महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ का विस्तार करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में विजय सेन प्रभारी धमधा ब्लॉक, मंथीर सेन सचिव दुर्ग, राजेश सेन दुर्ग, दिलीप सेन, डॉ. जीवन सेन, राजू सेन, रेणु ठाकुर, मंजु सेन, सत्यम उमरे, विंध्यवासिनी, सुरेखा, पूजा, चंद्रकला, सुभाषिनी, निशा, अमेरिका, लता समेत समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुरमुंदा इकाई की बैठक 17 को: सेन समाज के मुरमुंदा इकाई की बैठक 17 जनवरी को आयोजित की गई है। इकाई से समाज के लोगों को जोडऩे के साथ ही पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए जिला अध्यक्ष भीखम सेन, मुरमुंदा इकाई अध्यक्ष अमित सेन, जनक सेन समेत अन्य पदाधिकारियों ने इकाई क्षेत्र में समाज के लोगों से व सेलून संचालकों से संपर्क कर संगठन का महत्व बताया और बैठक में आमंत्रित किया।

नसीम और सैकुल बने सदर

भिलाई। केम्प 2 रजा जामा मस्जिद भिलाई के नये सदर नसीम अहमद (पप्पू भाई) और नायब सदर सैकुल राइन को बनाया गया है। पप्पू भाई, सैकुल राइन को मस्जिद कमेटी के मेंबर सुभान भाई, जमालुद्दीन, राशिद भाई, शमशाद भाई, नासिर भाई ने मुबारकबाद दी।

● जन समर्पण सेवा संस्था के सेवा कार्य 9 वर्ष पूरे होने पर वितरित किया सामान

लड़खड़ाते कदमों से पहुंचे निशक्त जनों को मिला ट्रायसिकल और व्हीलचेयर का सहारा, आत्मनिर्भर होने की दिखी खुशी

भिलाई। भूखे को भोजन कराना और निशक्त जनो की मदद करना सबसे बड़ा मानव धर्म माना गया है। इस सेवा धर्म के कार्य को आगे बढ़ाते हुए दुर्ग की संस्था द्वारा निशक्त जनों के लड़खड़ाते कदमों को सहारा देने ट्राइसिकल, व्हीलचेयर एवं बैसाखी का वितरण किया। जिसे पाकर उनके चेहरों में खुशी की चमक दिखाई दी। जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग दवरा अपने सेवा कार्य के 9वें वर्ष में शहर के जरूरतमंद दिव्यांग जनों को 2 ट्राइसिकल, एक व्हीलचेयर और एक बैसाखी का वितरण किया।

मिलकर बढ़ाया कदम

इस सेवा कार्य में संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा, संदीप वोरा, विवेक मिश्रा, मनोज शर्मा, विकाश पुरोहित, आशीष मेश्राम, अर्जित शुक्ला, प्रतिभा पुरोहित, रूपल गुप्ता, सुजल शर्मा, अख्तर खान, संजय सेन, मोहित पुरोहित, ऋषि गुप्ता, राजेन्द्र ताम्रकार, मृदुल गुप्ता, अंकेश पेशवानी, वाशु शर्मा, गौरव बजाज, प्रवीण पींचा, अनश खान, अंश पांडेय, सुधीर कुमार, तरेंद्र, विकास सापेकर, आसिफ खान, संदीप साहू, हरीश सेन, दद्दू ढीमर, शुभम सेन और संस्था के अन्य सदस्य एक साथ मिलकर कदम बढ़ाते हुए आगे बढ़ रहे है।

लड़खड़ाते कदमों को मिला सहारा

संस्था के सदस्य सुजल शर्मा और अख्तर खान ने बताया कि दुर्ग रेलवे स्टेशन और शहर के कुछ स्थानों में पैदल लड़खड़ाते हुए बैसाखी के सहारे चलने वाले कुछ दिव्यांग जनो को व्हीलचेयर, ट्राइसिकल और बैसाखी की आवश्यकता थी, जिसे देखते हुए संस्था के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 2 दिव्यांग को ट्राइसिकल, एक दिव्यांग को व्हीलचेयर और एक दिव्यांग को बैसाखी वितरण किया गया। जिसमें सुनीता राम सुपेला भिलाई और दीपमाला देवराज, अटल आवास उरला दुर्ग को ट्रायसिकल अनंत कुमार पवार हाउस भिलाई को व्हीलचेयर और राजेश कुमार साहू स्टेशन दुर्ग को बैसाखी वितरण की गई। जिसके सहारे अब वे बिना लड़खड़ाये रोड में आसानी से चल फिर सकेंगे साथ ही साथ ही कुछ काम करके जीवन यापन कर सकेंगे। इस सेवा कार्य में पायल जैन का सहयोग रहा।

अब तक 3 बैसाखी, 59 व्हीलचेयर और 56 ट्रायसिकल का वितरण

संस्था द्वारा अपने सेवा के इन 9 वर्षों में अब तक 113 बैसाखी, 59 व्हीलचेयर और 56 ट्रायसिकल का वितरण दिव्यांग जनों किया जा चुका है। दिव्यांगता अभिशाप नहीं है क्योंकि शारीरिक अभाव को यदि प्रेरणा बना लिया जाए तो दिव्यांगता व्यक्तित्व विकास में सहायक हो जाती है। सोच सही हो तो अभाव भी विशेषता बन जाती है। जन समर्पण सेवा संस्था द्वारा संस्था का 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर अवसर पर शहर के निःशक्त जनों को ट्रायसिकल व्हीलचेयर बैसाखी वितरण किया गया।

9 सालों से लगातार चल रही भोजन सेवा

पिछले 9 सालों से जरुरतमंदों को भोजन कराते हुए जन समर्पण सेवा संस्था की ओर से शुरू की गई भोजन सेवा एवं गौ सेवा आज पूरे प्रदेश के लिए एक मिसाल बन गई है। कोई भूखा न सोए इस अनुकरणीय पहल के साथ, 1 जनवरी 2017 से आज तक बिना किसी दिन अनुपस्थिति के प्रतिदिन दुर्ग रेल्वे स्टेशन और शहर के विभिन्न स्थानों में करीब 200 से अधिक जरूरतमंद गरीब, असहाय, दिव्यांग जनों को निःशुल्क भोजन एवं जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराते आ रहे हैं।

निकली शोभायात्रा

भागवत कथा सुनने से होते हैं पाप नष्ट, भागवत कथा मनोरंजन नहीं, आत्मरंजन का माध्यम

भिलाई। श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह की शुरुआत जवाहर नगर दुर्ग में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण वातावरण में हुई। जिसके पहले दिन शनिवार को सुबह वेदी पूजा एवं कलश यात्रा के साथ इस आयोजन की शुरुआत हुई। शिव मंदिर से पवित्र जल लेकर भक्त भजन-कीर्तन करते हुए कॉलोनी भ्रमण पर निकले और कथा मंडप पहुंचे, जहां पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर कथावाचक पंडित मनोज पांडेय ने अपने श्रीमुख से मोक्षदायिनी श्रीकृष्ण कथा का अमृतपान कराते हुए गोकर्ण प्रसंग के माध्यम से भागवत महात्म्य को सहज एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि प्रथम दिन की कथा को गोकर्ण कथा कहा जाता है, किंतु उसका मूल भाव धुंधकारी के उद्धार से जुड़ा है। पाप की चर्चा सुनने से पाप का अंश लगने की शंका के कारण इसे गोकर्ण कथा के रूप में श्रवण कराया जाता है। गोकर्ण जी ने भागवत कथा के माध्यम से अपने पापी भाई धुंधकारी का उद्धार किया, जिससे यह सिद्ध होता है कि भागवत कथा सुनने मात्र से भी पाप नष्ट होते हैं और जीवन का कल्याण होता है।

कथावाचक ने बताया कि कथा श्रवण का सबसे बड़ा फल भगवान की प्राप्ति है। इसके साथ ही लौकिक मनोकामनाओं की पूर्ति, पितरों की मुक्ति तथा सात पीढ़ियों तक कुल का उद्धार होता है। कथा से निर्भयता प्राप्त होती है और मनुष्य के भीतर के विकार स्वतः नष्ट होने लगते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भागवत कथा मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मरंजन का माध्यम है, जो भक्ति को पुष्ट करती है और मुक्ति का कारण बनती है।

गया से लौटने के बाद भी करें श्राद्ध-तर्पण

गया श्राद्ध के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि गया जाकर पिंडदान करना श्रेष्ठ है, किंतु पितरों से पिंड छुड़ाने का भाव नहीं रखना चाहिए। गया से लौटने के बाद भी श्राद्ध–तर्पण किया जा सकता है। गोकर्ण जी ने गया में माता–पिता एवं भाई धुंधकारी का श्राद्ध किया, माता–पिता की मुक्ति हुई, किंतु धुंधकारी के विशेष पापों के कारण उसके लिए भागवत कथा का आयोजन करना पड़ा। इससे यह संदेश मिलता है कि श्रवण में भी भेद होता है और श्रद्धापूर्वक किया गया श्रवण ही पूर्ण फल देता है। पूरे कथा प्रसंग को रोचक, भक्तिमय एवं गूढ़ आध्यात्मिक भावों के साथ प्रस्तुत करते हुए कथावाचक ने श्रोताओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन कल्याण के लिए इस कथामृत का निरंतर पान करें।

दी जाएगी जानकारी

निःशुल्क फाइब्रोस्कैन जांच का लाभ लेने शिविर का आयोजन आज

भिलाई। रामनगर, सुपेला स्थित स्पर्श मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल द्वारा 5 फरवरी सोमवार को एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में मरीजों को निःशुल्क फाइब्रोस्कैन लिवर की कठोरता और फैट मात्रा के जांच की सुविधा प्रदान की जाएगी। अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान जीवनशैली और खान-पान के कारण लिवर से संबंधित समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ. अभिजीत जैन एमबीबीएस, एमएस, एमसीएच सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी द्वारा मरीजों को परामर्श दिया जाएगा। शिविर का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

शिविर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक

शिविर के दौरान विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श, लिवर की गंभीरता और फैट का पता लगाने में सहायक फाइब्रोस्कैन जांच, लिवर से संबंधित बीमारियों पर महत्वपूर्ण जानकारी और बचाव के सुझाव निशुल्क दिये जायेंगे। चिकित्सकों के अनुसार यह सभी जांचे ऐसे व्यक्ति जो फैटी लिवर की समस्या से ग्रसित हैं, शराब का सेवन करते हैं, जिनका हेपेटाइटिस का इतिहास रहा है या जिनके परिवार में लिवर की बीमारी रही है, उन्हें इस निशुल्क शिविर का लाभ अवश्य लेना चाहिए। शिविर का लाभ लेने के लिए मरीज अपना अग्रिम पंजीयन अस्पताल के हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर करा सकते है।

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण अरोरा ने दिखाई हरी झंडी

खेल अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का सर्वोत्तम माध्यम, विभिन्न टीमें करेंगी उत्कृष्ट प्रदर्शन

कार्नर न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई की विभिन्न खेल टीमें विश्वविद्यालय परिसर से रवाना हुईं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण अरोरा ने खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उनके बेहतरीन प्रदर्शन की कामना की। डॉ. अरोरा ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का सर्वोत्तम माध्यम है। उन्होंने खिलाड़ियों उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय और राज्य का नाम गौरवान्वित करने की बातें कहीं। इस मौके पर विश्वविद्यालय प्रशासन से कुलसचिव डॉ. अमित सिंह राजपूत, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रोहित कुमार मिरी, विवि खेल विभाग के प्रभारी अधिकारी किशोर कुमार भारद्वाज, खेल सहायक सियाराम साहू, राम नारायण और मनीष कश्यप सहित प्रशिक्षक एवं स्टाफ ने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

पूर्वी क्षेत्र में आयोजित होंगे मुकाबले

यह प्रतियोगिताएं पूर्वी क्षेत्र के अंतर्गत ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों और खेल परिसरों में आयोजित की जा रही हैं, जहां सीएसवीटीयू की टीमें अपने-अपने खेल वर्ग में सहभागिता करेंगी।

विभिन्न खेलों में खिलाड़ी होंगे शामिल

इस दौरान हैदराबाद के लिए फुटबॉल पुरुष वर्ग टीम में ओमकारेश्वर मंडावी, अर्पित राज साहू, अर्पित राय, शत्रुघ्न दास मणिकपुरी, आयुष कुमार सरवा, डी. आइजैक, पुष्कर साहू, वलेश्वर साहू, डैनियल्स नटाले, हृषभ वैष्णव, तरणजीत सिंह, सिद्धार्थ ए.एस., सार्थक पांडेय, निखिल कुमार, विकास देवांगन, केतन वर्मा, भुवन क्षेत्री, रितेश कुमार दुग्गा, धीरज कुमार मरकाम, ईशांत राजवाड़े। कलकत्ता के लिए बास्केटबॉल पुरुष वर्ग टीम में जयेश वर्मा, पी. कार्तिक, अभिषेक सिंह, नितिन आनंद भाजी, अंशुल सोनी, श्रेयश कश्यप, रिशव मंडल, पुष्पेंद्र कुमार साहू, आदित्य राज, एश्वर्य जैन, हर्ष कुमार भारती, आयुष मलिक। भुवनेश्वर के लिए क्रिकेट महिला वर्ग टीम में मानसी राठौर, पी. पल्लवी, मीनल सौभाग्य यादव, लक्ष्मी प्रसन्ना, हेमांग्शी साहू, टी. लक्ष्मी श्रीजा, तनुश्री, योगिता लहरे, अपेक्षा सिदार, सीमा मुचाकी, इशमीत कौर, पलक राठौर, आर्ची तिवारी, बी. नेहा रानी, मनीषा निर्मलकर, मिनाक्षी निर्मलकर। बैंगलोर के लिए योगासन महिला वर्ग टीम में सीमा पटेल, स्नेहा गुप्ता, खुशी, इटिशा, साक्षी बंसोड़, पल्लवी वर्मा, रूपाली साहू, तोषणी साहू, लावण्या रवाना हुईं।

हेल्थ टिप्स

अंडर-16 में छत्तीसगढ़ की शानदार पारी, अरहम ने लिए 2 विकेट

रायपुर। बीसीसीआई की ओर से मेंस अंडर-16 विजय मर्चेन्ट मल्टी डे ट्रॉफी 2025 का आयोजन 07 दिसंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का प्री क्वार्टर मैच (04-06 जनवरी) को बडोदरा में असम अंडर-16 टीम के विरुद्ध खेला गया। पहले दिन असम अंडर-16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 50.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 124 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अर्शवीर सिंह भाटिया ने 29 रन तथा उज्जवल सिंह मरकाम ने 28 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त अरहम नाहर ने 15 रन बनाये। असम की ओर से नित्रिक राज ने 5 विकेट तथा प्रिंस बोरा ने 3 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक असम ने अपनी पहली पारी में 36 ओवरों में 2 विकेट खोकर 116 रन बना लिये हैं। असम की ओर से सुरजित सैकिया ने 66 रन बनायें। उनके अतिरिक्त सुभाश विश्वास ने नाबाद 26 रन तथा अमन यादव ने नाबाद 20 रन बनाये। छत्तीसगढ की ओर से अरहम नाहर ने 2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक असम 8 रनों से पीछे हैं।

शैलेन्द्र चुने गए मि रायपुर, बेस्ट पोजर का खिताब मिला रवि को

रायपुर। रायपुर जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन एवं टी गोल्ड जिम के तत्वाधान में मि रायपुर बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता एवं पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन बूढ़ेश्वर मंदिर भवन में किया गया । जिसमें खरोरा के शैलेन्द्र देवांगन को मि रायपुर चुना गया। बेस्ट पोजर रवि नायक एवं इम्प्रूव बॉडी बिल्डर मुकेश कुमार कांडरा रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक शिव मोहन शुक्ला, दुर्गेश साहू और लक्ष्मीकांत ताम्रकार थे। मि रायपुर के परिणाम में 50 किग्रा में प्रथम वाशु साहू, द्वितीय मो जियारत और तृतीय सतीश यादव, 55 किग्रा मे प्रथम परमानंद तांडी, द्वितीय चंद्र कुमार कांत और तृतीय वेदांत नायक, 60 किग्रा में प्रथम मुकेश कुमार कांड्रा, द्वितीय ख्वाइस कुमार काटले, तृतीय ईश्वर निषाद, 65 किग्रा में प्रथम रवि नायक, द्वितीय ललित तांडी , तृतीय सुनील यादव, 70 किग्रा में प्रथम सूरज वर्मा , द्वितीय विपुल मंडल, 75 किग्रा में प्रथम शैलेन्द्र देवांगन, द्वितीय दीनदयाल साहू, 75 से ऊपर प्रथम विमल सिंह डोंगरा, 40 वर्ष से ऊपर मास्टर वर्ग में प्रथम रहमत अली, द्वितीय दीपक सोनकर और तृतीय देवेंद्र शारदा रहे। इसी तरह महिला वर्ग में प्रथम नीलोफर अली और द्वितीय अंशु कटियार रहे। पावर लिफ्टिंग में प्रथम देवश्री पैकरा, 52 किग्रा में गोल्ड समीक्षा कुमारी, 57 किग्रा में सांची शर्मा, 63 किग्रा में गोल्ड मानसी साहू, 69 किग्रा में गोल्ड अंशिका शर्मा, 76 किलोग्राम में गोल्ड प्रेरणा साहू, 84 किग्रा में गोल्ड सिमरन जोत, 69 किग्रा में गोल्ड कमला देवी मांगतानी, मास्टर में गोल्ड स्ट्रांग वूमेन सब जूनियर समीक्षा, जूनियर स्ट्रांग वूमेन सांची शर्मा और स्ट्रांग वूमेन सीनियर मधु अहीर रहे।

प्लेट कंबाइन और राजनांदगांव की अंडर-19 क्रिकेट में जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ (सीएससीएस) द्वारा आयोजित अंडर-19 एलिट ग्रुप चार दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे राउंड के तीसरे दिन के मैच रविवार को हुए। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम बीएसपी विरुद्ध प्लेट कंबाइंड के बीच मुकाबले में बल्लेबाजी में बीएसपी टीम फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में कल के अपने स्कोर एक विकेट पर तीन रन से आगे खेलते हुए 139 रन बनाकर आउट हो गई। अभिषेक शुक्ला ने 33 रन, हर्ष सूचक ने 29 रन और आयुष्मान तिवारी एवं कप्तान नितांत सिंह ने 19-19 रन बनाए। गेंदबाजी में प्लेट कंबाइंड के आदित्य यादव ने चार विकेट, ओम कोसले ने तीन विकेट, अमर्त्य पटेल ने दो विकेट और आदित्य गुहा ने एक विकेट लिया। परिणामस्वरूप प्लेट कंबाइन ने यह मैच एक पारी एवं 137 रन से जीता एवं 7 अंक प्राप्त किए। दल्ली राजहरा में राजनांदगांव विरुद्ध कांकेर में राजनांदगांव ने एक पारी एवं 117 रन से जीत हासिल की एवं सात अंक प्राप्त किए। धमतरी में टीम दुर्ग विरुद्ध बिलासपुर के मैच में बल्लेबाजी करते हुए दुर्ग टीम दूसरी पारी में अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 123 रन से आगे खेलते हुए 178 रन बनाकर आउट हो गई। शिवम यादव ने 38 रन, आनंद त्रिपाठी ने 36रन बनाएं। गेंदबाजी में बिलासपुर के सक्षम चौबे एवं अयान उपाध्याय ने तीन-तीन विकेट लिए। आदित्य श्रीवास्तव ने दो विकेट लिए। बल्लेबाजी में बिलासपुर ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 176 रन बनाए। आर्यन सिंह ने 53 रन, गुणवंत अवस्थी ने नॉट आउट 43 रन, अयान उपाध्याय ने तीस रन और श्रीसंत खरे ने 24 रन बनाए। गेंदबाजी में दुर्ग के युग देश लहरा एवं सार्थक बाजपेई ने दो-दो विकेट लिए।

हर साल जनवरी में मनाया जाता है 'थायराइड जागरूकता माह'

थायराइड की दवाई ले रहे हैं तो भूल कर भी न करें ऐसी गलतियां, बढ़ सकती है आपकी तकलीफ

अनियमित दिनचर्या और तनावपूर्ण जीवन शैली के चलते थायराइड की समस्या आजकल आम हो चुकी है। देखा जाए तो दिन पर दिन जितनी अधिक मेडिकल सुविधाएं बढ़ती जा रही हैं, वहीं थायराइड से पीड़ित लोगों की दवाइयों के सेवन पर निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।

दरअसल, इसकी वजह थायराइड के संबंध में सही जानकारी का अभाव है। असल में लोग या तो सही समय पर थायराइड की समस्या की पहचान नहीं कर पाते हैं या फिर दवाईयों के सेवन को लेकर लापरवाही बरतते हैं। नतिजन उन्हें इन दवाईयों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे में थायराइड के बारे में लोगों में जागरूकता बेहद जरूरी है। थायराइड के दवाईयों के सेवन से जुड़ी कुछ सावधानियों के बारे में आपको जानना जरूरी है ताकि आप इन गलतियों से बच सकें।

गौरतलब है कि हर साल जनवरी का महीना 'थायराइड जागरूकता माह' के रूप में मनाया जाता है। इस बार भी जनवरी में 'थायराइड जागरूकता माह' के तहत, थायराइड को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दिशा में जानिए थायराइड की दवा लेने के सही समय और सही तरीका।

कैसे काम करती है थायराइड की दवा?

थायराइड की दवाई को लेकर जुड़ी सावधानियों को जानने से पहले आपको ये जानना चाहिए कि यह किस

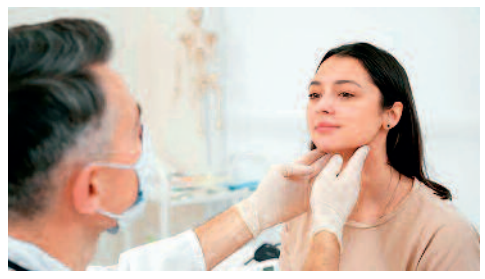

तरह से काम करती है। आपको बता दें कि थायराइड एक तरह से एक हार्मोनल असंतुलन की स्थिति है, जिसमें गले में मौजूद थायराइड ग्लैंड से थायराइड हार्मोन का अनियंत्रित स्त्राव होता है। इस स्थिति में या तो थायराइड हार्मोन का स्त्राव कम हो जाता है या बढ़ जाता है। वहीं इस हार्मोनल बदलाव का हमारी सेहत पर नकारात्मक असर होता है, जिसके कारण थकान और अनियंत्रित वजन की समस्या पेश आती है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर थायराइड हार्मोन को संतुलित करने के लिए दवा की सलाह देते हैं। यह दवा आपके शरीर में थायराइड हार्मोन को संतुलित करने का काम करती है, जिससे आप थायराइड हार्मोन के असंतुलन से होने वाले दुष्प्रभावों से बच सकें। गौरतलब है कि थायराइड के रोगी को यह दवा हर रोज लेनी होती है, ताकि पूरी तरह से थायराइड हार्मोन के असंतुलन पर नियंत्रण पाया जा सके। अब उन सावधानियों के बारे में जान लेते हैं, जो इस दवा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जरूरी है।

दवा की डोज का खास ध्यान रखें

थायराइड के रोगी को नियमित अंतराल पर अपनी थायराइड की जांच करानी चाहिए और उसके अनुसार ही डॉक्टर की सलाह पर दवा की डोज लेनी चाहिए। दरअसल, डॉक्टर आपके शरीर में थायराइड के स्तर को ध्यान में रखते हुए डोज निर्धारित करते हैं। इसलिए खुद से दवा की डोज कभी निर्धारित न करें।

दवा के सेवन के समय का ध्यान रखें

थायराइड की दवा से जुड़ी सबसे बड़ी सावधानी इसके सेवन के समय का ध्यान रखना है। दरअसल, थायराइड की दवा सुबह के वक्त खाली पेट खाने की सलाह दी जाती है ताकि ये बॉडी में अच्छी तरह से अब्जॉर्ब हो सके।

दवा लेने के बाद आधे घंटे तक कुछ न खाएं

थायराइड की दवा लेते इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए इस दवा के सेवन के आधे घंटे बाद तक आप कुछ न खाएं। दवा के सेवन के आधे घंटे बाद ही आप चाय या नाश्ता ले सकते हैं।

चाय या कॉफी के साथ इसका सेवन न करें

इसके साथ ही ध्यान रहे कि थायराइड की दवा का सेवन हमेशा सादे पानी के साथ करना चाहिए। थायराइड की दवा को कभी भी चाय या कॉफी के साथ नहीं लेना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से इस दवा का प्रभाव कम हो सकता है।

थायराइड की दवा कभी मिस न करें

थायराइड की दवा के सेवन के दौरान नियमितता बेहद जरूरी है... आपको हर रोज नियमित रूप से इसका सेवन करना होता है। लापरवाही के चलते ये दवा आपको किसी भी दिन मिस नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इसके कारण भी इस दवा का असर कम हो सकता है।

नौकायन की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी

रायपुर। 14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप एवं 13 वीं कैनो स्लैलम राष्ट्रीय सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता में जाने से पहले कयाकिंग एंड कैनोइंग के खिलाड़ियो ने खेलमंत्री व उपमुख्यमंत्री अरूण साव से मुलाकात की।

उल्लेखनीय है कि भारतीय कायाकिंग और कैनोइंग एसोसिएशन के तत्वावधान में 14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप 6 से 9 जनवरी तक मध्य प्रदेश के भोपाल शहर की लोअर लेक में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 19 बालक और 12 बालिका खिलाड़ी, 2 कोच भाग ले रहे हैं।

इसके अलावा, 13वीं कैनो स्लैलम राष्ट्रीय सीनियर एवं जूनियर चैंपियनशिप 12 से 15 जनवरी तकमध्यप्रदेश के खरगोन जिले के महेश्वर में आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता में 2 बालक और 2 बालिका खिलाड़ी, 1 कोच भाग ले रहे हैं। दोनों चैंपियनशिप में जाने से पूर्व प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन की अगुवाई में चैंपियनशिप में जाने वाले सभी खिलाड़ियो ने रविवार को खेल मंत्री अरुण साव से उनके निवास पर मुलाकात की व उन्हें दोनों चैंपियनशिप की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान खेल मंत्री ने खेल विभाग से प्रदत ट्रेक सूट का वितरण किया व सभी खिलाड़ियो को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हर बार की तरह इस बार भी खिलाड़ी मेडल जीतेंगे। चैंपियनशिप में जगदलपुर के 6 खिलाड़ी भी शामिल हैं व एनआईएस कोच पिंकी साहू और सहायक कोच परवेश सोनवाने भी टीम के साथ जा रहे हे। राज्य को ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक पदक कायाकिंग एंड कैनोइंग खेल के खिलाड़ी लगातार दिलाते आ रहे है। हर साल सब्जूनियर, जूनियर, सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य को कायाकिंग एंड कैनोइंग के खिलाड़ी पदक प्राप्त कर रहे है। इस अवसर पर, बलदेव सिंह भाटिया अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ, रोहित काले कार्यकारी अध्यक्ष,छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ, अभिजीत मिश्रा सचिव, छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ प्रशांत सिंह रघुवंशी सहसचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ, अमरजीत छाबड़ा सह सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कायाकिंग एंड कैनोइंग संघ ने अपनी शुभकामनाएँ दी है।

इस सरल विधि से बनाएं गोंद के लड्डू, रोज एक खाने से सर्दियों में रहेगा शरीर गर्म

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्माहट और मजबूती की जरूरत होती है। यही कारण है कि भारतीय रसोई में इस मौसम के लिए खास व्यंजन बनाए जाते हैं। इन्हीं में सबसे खास है गोंद का लड्डू जो स्वाद में भरपूर, सेहत के लिए फायदेमंद और पारंपरिक व्यंजन है। सर्दियों में गोंद के लड्डू सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि ठंड से लड़ने की देसी दवा है, जिसे दादी-नानी के जमाने से आजमाया जाता रहा है। खाने वाली गोंद शरीर को अंदर से गर्म रखती है। यह जोड़ों को मजबूती देती है, थकान कम करती है और कमजोर शरीर को ताकत देती है। खासकर, सर्दियों में हाथ-पैर दर्द, जोड़ों की अकड़न, कमजोरी और लो एनर्जी, डिलीवरी के बाद महिलाओं की रिकवरी इन सब में गोंद का लड्डू बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि उत्तर भारत में सर्दियों के आते ही घर-घर में गोंद के लड्डू बनाए जाते हैं। गोंद का लड्डू सर्दियों में सिर्फ मिठाई नहीं, बल्कि शरीर की ढाल है। यह ठंड से लड़ने की ताकत देता है, जोड़ों को सहारा देता है और कमजोरी को दूर करता है। अगर आप सर्दियों में सेहत को लेकर गंभीर हैं, तो इस देसी सुपरफूड को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें। सबसे पहले गोंद को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। कड़ाही में थोड़ा सा घी गर्म करें और धीमी आंच पर गोंद डालकर तलें। गोंद फूलकर कुरकुरी हो जाएगी। इसे निकालकर ठंडा करें और दरदरा कूट लें। अब उसी कड़ाही में थोड़ा और घी डालें और गेहूं के आटे को धीमी आंच पर भूनें। जब आटा सुनहरा और खुशबूदार हो जाए, तब गैस बंद कर दें। एक बड़े बर्तन में भुना आटा, कुटी गोंद, कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर मिलाएं।

अपना मकसद पाने के लिए खुद को ऐसे करें तैयार, ये रहे आसान तरीके

हम अपना मकसद तो बना लेते हैं लेकिन इस मकसद के लिए मानसिकतौर पर दृढ रह पाना आसन नहीं होता है। हम अक्सर थोड़ी मेहनत के बाद ही हार मान लेते हैं। या फिर मन में उतना जूनून नहीं रह जाता है। जितना शुरू में हुआ करता था।

अपनी मंजिल पाने के लिए शुरुआती दिनों वाला जूनून वापस लाना और बनाए रखना जरूरी होता है। इसलिए अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बादलाव कीजिए और अपनी मंजिल की ओर एक कदम और बढ़ाइए।

मनपसंद काम

आप वो काम ही चुनें जो आपको पसंद है। दरअसल बेमन से चुना गया काम करने की कोशिश आप खुद ही नहीं करना चाहेंगे। इसलिए उस काम से जुड़ा ध्येय बनाइए जिसे करना आपको बहुत पसंद है। आप उसे पूरे ऊर्जा से करना चाहेंगे।

करने के फायदे और न करने के नुकसान

खुद को दो स्थितियों में महसूस कीजिए। ये वो स्थितियां हैं जिसमें आप काम न करने के परिणाम महसूस करेंगे और करने के परिणाम भी जानें।

जैसे आप सोचें कि ये एक प्रोजेक्ट पूरा करके आप दूसरे बड़े प्रोजेक्ट में कमाल कर सकते हैं। जबकि ये काम नहीं करेंगे तो बिल्कुल ही पीछे ही रह जाएंगे। ये तुलना आपको बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी।

परिणाम की कल्पना

आप अपने मकसद की ओर जब कदम बढ़ाएंगे तो निश्चित ही एक दिन आपको परिणाम भी मिलेगा। वो परिणाम कैसा होगा? इस बात का जवाब खुद से पूछिए। पूछिए कि आप वो परिणाम पाकर कैसा महसूस करेंगे और आपकी जिंदगी कैसे बदल जाएगी। बस ये कल्पना भी आपको आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित करेगी।

मंजिल के कई हिस्से

आप जो कुछ भी पाना चाहते हैं, उसको छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लीजिए। उसे एक बार में नहीं बल्कि कई हिस्सों में पूरा कीजिए। हर हिस्सा पूरा होने पर आपको संतुष्टि महसूस होगी और आपको अच्छा लगेगा। इस तरह आप मंजिल के और करीब भी आ पाएंगे।

दूसरों की तरह नहीं अपनी तरह

आप अपनी मंजिल को पाने के लिए जो भी तरीके अपनाते हैं, वो आपके हिसाब से होते हैं। या आपने दूसरों की देखादेखी ये काम किया है।

दूसरों ने ये काम अपनी क्षमताओं के हिसाब से किया था। आप भी अपनी क्षमताओं के हिसाब से रास्ता तलाशिए, तब ही आप उस काम को करने के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे।

कार्नर न्यूज

इस मौसम में शरीर को ठंडा होने से बचाने रहें सक्रिय

इस मौसम में ठंडे हो रहे आपके हाथ-पैर, इन ट्रिक्स से रखेंगे गर्म तो मिलेगी सुकून की नींद

सर्दियों में हाथ-पैर ठंडा हो जाना आम है, लेकिन कुछ लोगों के हाथ-पैर गर्म होने का नाम ही नहीं लेते। चलिए आपको बताएं कि आपक किन ट्रिक्स की मदद से सुकून पान सकते हैं। जब सर्दी का मौसम शुरू होता है, तो अपने हाथों और पैरों को गर्म रखना बहुत चुनौतीपूर्ण स्थिति हो जाती है। ये अंग अक्सर ठंड को सबसे पहले महसूस करते हैं। इन अंगों को गर्म करना ज्यादा मुश्किल होता है।सर्दियों में लोग रात में सॉक्स पहनकर पैरों को गर्म रखने का काम करते हैं, लेकिन सिर्फ सॉक्स पहनना ही काफी नहीं है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि आप शरीर के इन अंगों को गर्म कैसे कर सकते हैं।

शरीर को गर्माहट पहुंचाने के लिए ढंग से लेयरिंग करें

सर्दियों में खुद को गर्म रखने का मूल मंत्र यही है कि अच्छे से कपड़े पहनें। अगर आप घर पर भी हैं, तो भी बढ़िया तरीके से लेयरिंग करें। पतले, नमी सोखने वाले दस्ताने पहनें। टी-शर्ट और मिट्टेंस पहनें। पैरों में थर्मल मोजे पहनें और ऊन से बने जूते पहनें। अपने शरीर को गर्म रखने से आपके शरीर के अंगों में रक्त संचार बनाए रखने में मदद मिलती है

एक्टिव रहें

एक्टिव रहने से रक्त संचार बेहतर होता है, जो स्वाभाविक रूप से आपके अंगों को गर्म रखता है। चलने या दौड़ने से जैसे हल्के व्यायाम भी आपके हाथों और पैरों में रक्त प्रवाह को बढ़ा सकते हैं। चलना, जॉगिंग या स्ट्रेचिंग रक्त प्रवाह को उत्तेजित करने में मदद करती हैं। अपने हाथों और पैरों को गर्माहट पहुंचाने के लिए अपनी मुट्ठियों को बंद करना और खोलना या अपने टखनों को घुमाना जैसे हल्के व्यायाम आजमाएं। ये गतिविधियां कहीं भी करना आसान है।

अपने हाथों और पैरों की मालिश करें

ठंड के दिनों में अपने हाथों और पैरों की मालिश करना उन्हें गर्म रखने का एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका है। नियमित तेल मालिश रक्त परिसंचरण को उत्तेजित करती है, जिससे गर्म खून आपके शरीर में अच्छे से घूमता है। यह बेहतर परिसंचरण न केवल गर्मी बनाए रखने में मदद करता है बल्कि ठंड के मौसम में होने वाली सुन्नता और परेशानी को भी रोकता है। आप मेन्थॉल, नीलगिरी या दालचीनी जैसी सामग्री से युक्त वॉर्मिंग लोशन या तेल का उपयोग कर सकते हैं, जो गर्मी के एहसास को बढ़ाते हैं। अपनी हथेलियों या पैरों पर लोशन या तेल लगाएं और धीरे-धीरे गोलाकार गति में मालिश करें।

टाइट कपड़े और एक्सेसरीज से बचें

गर्मी पाने के लिए टाइट दस्ताने, सॉक्स या कपड़े पहनकर रेस्ट न करें। इससे रक्त संचाप बाधित हो सकता है। उचित रक्त प्रवाह और इन्सुलेशन के लिए अच्छी तरह से फिट होने वाले लेकिन बहुत ज़्यादा तंग न होने वाले कपड़े चुनें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'लोकी' स्टार हिडलस्टन के घर खुशियां, जावे के साथ किया स्वागत

हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता और मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स के 'लोकी' के नाम से दुनियाभर में पहचान बना चुके टॉम हिडलस्टन एक बार फिर पिता बन गए हैं। नए साल की शुरुआत उनके लिए बेहद खास रही। टॉम हिडलस्टन और उनकी पार्टनर और अभिनेत्री जावे एश्टन ने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया है। इस खुशखबरी की पुष्टि खुद टॉम ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में की। इस दौरान उन्होंने इसे जिंदगी का सबसे खूबसूरत एहसास बताया।

टॉम हिडलस्टन ने पिता बनने के एहसास को शब्दों में बयां करते हुए कहा कि यह अनुभव ऐसा है, जिसे महसूस किए बिना समझा नहीं जा सकता। उनके मुताबिक, यह पल न सिर्फ भावनात्मक है बल्कि इंसान की पूरी सोच और जिंदगी को नई दिशा दे देता है। हालांकि, कपल ने अपने बच्चे के नाम और जेंडर को लेकर फिलहाल कोई जानकारी साझा नहीं की है। दोनों हमेशा से अपनी निजी जिंदगी को लाइमलाइट से दूर रखने के लिए जाने जाते रहे हैं। पिछले साल की शुरुआत में जावे एश्टन ने अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की थी। जून में लंदन में हुए एक फिल्म प्रीमियर के दौरान उन्होंने पहली बार बेबी बंप के साथ रेड कार्पेट पर एंट्री ली थी। उस दौरान जावे का कॉन्फिडेंस और सादगी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई थी। उन्होंने यह भी कहा था कि ऐसे संवेदनशील समय में उन्हें अपने साथी और टीम से काफी सपोर्ट मिला, जिसकी वजह से वह खुद को सुरक्षित और सहज महसूस कर पाईं। हाल ही में जावे एश्टन के सोशल मीडिया पोस्ट ने भी इशारों-इशारों में इस खुशखबरी की पुष्टि कर दी थी।

टॉलीवुड

'जन नायकन' को लेकर ट्रोल हुए विजय, बालकृष्ण बने वजह

'जन नायकन' का ट्रेलर जब रिलीज हुआ तो विजय के फैंस को यह काफी पसंद आया। फैंस इस फिल्म को लेकर इसलिए उत्साहित हैं, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिर फिल्म है। अब यही फिल्म सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रही है। दर्शक थलापति विजय को निशाने पर ले रहे हैं। इसकी ट्रोलिंग के पीछे साउथ एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' है। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने विजय की फिल्म 'जन नायकन' के ट्रेलर के सीन्स को जब देखा तो उन्हें जल्द ही पता चल गया कि यह नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' का रीमेक है। फैंस ने दोनों फिल्मों के सीन्स की आपस में तुलना की। आखिर में कई यूजर्स ने कहा कि विजय की फिल्म से बेहतर नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म 'भगवंत केसरी' है। एक यूजर ने कमेंट किया, 'यूट्यूब पर भगवंत केसरी मौजूद है, इसलिए जन नायकन देखकर अपना पैसा बर्बाद ना करें। इसके बजाय ऑरिजनल फिल्मों को थिएटर में जाकर देखें।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'विजय की फिल्म तो भगवंत केसरी का किसी भी मामले में मुकाबला नहीं कर सकी है।' कई तेलुगु यूट्यूबर ने भी इस थलापति विजय की अपकमिंग फिल्म को जमकर ट्रोल किया है। 'भगवंत केसरी' की कहानी की बात करें तो इसमें नंदमुरी बालकृष्ण ने एक पूर्व पुलिस ऑफिसर का रोल किया था। वह विजी नाम की लड़की को पालता है, उसे आर्मी में भेजना चाहता है। लेकिन इस बीच विलेन की एंट्री होती है, जो विजी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, क्योंकि उसकी और नंदमुरी के किरदार की पुरानी दुश्मनी है। लगभग यही कहानी फिल्म 'जन नायकन' के ट्रेलर में भी नजर आती है। यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में थलापति विजय के अलावा बॉबी देओल भी हैं, जो विलेन के रोल में हैं।

भोजपुरी

नए साल में खेसारी अपने फैंस को देंगे धमाकेदार सरप्राइज, शेयर किया पोस्ट

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव नए साल में फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ऐसा उन्होंने खुद कहा है। खेसारी लाल यादव भोजपुरी सिनेमा के चर्चित स्टार हैं। फैंस उनकी अदाकारी के दीवाने हैं। साथ ही उनकी सिंगिंग का जादू भी खूब चलता है। बीता वर्ष उनके लिए काफी खास रहा। अब नए साल में भी फैंस को वे बड़ा सरप्राइज देंगे। वह क्या होगा, इसका खुलासा भी खेसारी जल्द करेंगे। ऐसा उन्होंने अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है। अभिनेता खेसारी लाल यादव ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें वे नजर आ रहे हैं। हालांकि, यह उनकी फ्रंट साइज इमेज नहीं हैं। एक्टर हैट लगाए नजर आ रहे हैं। वे जादूगर जैसे लिबास में दिख रहे हैं। वे जिस तरफ देख रहे हैं, वहां सामने मेला जैसी रौनक है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, 'कुछ बड़ा सरप्राइज बा आप सब के लिए। बहुत जल्द'। इसके साथ खेसारी ने फायर इमोजी और रेड हार्ट इमोजी बनाए हैं।

खेसारी ने अपनी किसी नई फिल्म का पोस्टर शेयर किया है या इसका ताल्लुक उनके किसी नए गाने से है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। वे जल्द इसे लेकर अपडेट साझा करेंगे। लेकिन, फिलहाल उनके इस पोस्ट ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। यूजर्स लिख रहे हैं, 'जियो जियो खेसारी'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'साल 2026 में ट्रेंडिंग स्टार खेसारी का सिक्का ही चलेगा'। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'सरप्राइज का बेसब्री से इंतजार है'। खेसारी लाल फिलहाल अपने हालिया रिलीज सॉन्ग 'बुलबुल' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह गाना यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है।

मेन्सवियर की पहचान

इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भारतीय मेन्सवियर को नई पहचान दे रहे हैं। साल 2026 में पुरुष इंडो-वेस्टर्न स्टाइल की तरफ़ तेज़ी से बढ़ रहे हैं। दुनिया भर के असर को कल्चरल एसेंस के साथ मिलाकर, ये स्टाइल अपनी सादगी में बहुत कुछ कहते हैं। हर स्टिच और डिज़ाइन फ़ैशन की सीमाओं को नई पहचान देते है, जो आज की पीढ़ी की अलग-अलग और बदलती पसंद को दिखाता है।

इस मौसम में खूब भायेगा मखमली कुर्ता, जरूर आजमा कर देखिए

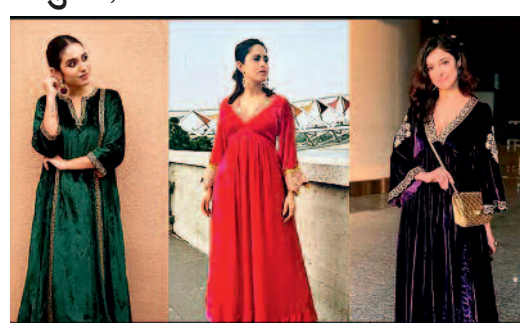

ठंड के इस मौसम में आम तौर पर कपड़ों को लेकर पुरुषों के पास तो ज्यादा ऑप्शन नहीं होते लेकिन महिलाएं बहुत सा विकल्प रखती हैं। इस मौसम में अगर आप भी कुछ ऐसा पहनने का सोच रहीं हैं, जिसे पहनकर आप खूबसूरत भी लगें और आपको ठंड भी ना लगे तो वेलवेट यानि मखमली सूट आपके लिए बेहतर विकल्प है।

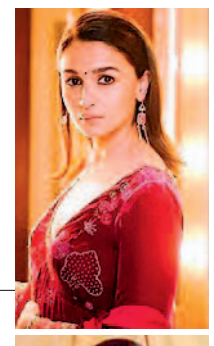

हरे रंग का कुर्ता

हरा रंग पूजा में पहनने के लिए वैसे भी काफी शुभ माना जाता है। ऐसे में आप एक्ट्रेस प्रिया वॉरियर के जैसा मखमली कुर्ता अपने लिए तैयार करवा सकती हैं। इस कुर्ते के साथ आप स्लीक स्टाइल में जूड़ा बना सकती हैं।

लाल कुर्ता

मखमली लाल कुर्ता प्लाजो के साथ अगर आप पहनेंगी तो आप कंफर्टेबल भी रहेंगी और आपका लुक भी काफी खूबसूरत दिखेगा। आप चाहें तो अभी से इसे तैयार करा सकती हैं।

डीप पर्पल सूट

आप चाहें तो डीप पर्पल रंग का मखमली फैब्रिक का सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। ग्लैमरस लुक के लिए आप इस कुर्ते का गला आगे से थोड़ा डीप करा सकती हैं। इसकी स्लीव का डिजाइन भी अगर आप थोड़ा हटकर बनवाएंगी तो आपका लुक खूबसूरत दिखेगा।

नई दुल्हन के लिए

इस मौसम में आप मखमली अनारकली सूट अपने लिए तैयार करा सकती हैं। मखमली फैब्रिक में अनारकली सूट काफी खूबसूरत दिखता है।

रॉयल लुक देगा रॉयल ब्लू

अगर आप शाही लुक कैरी करना चाहती हैं तो रॉयल ब्लू रंग का सूट आपको खूबसूरत दिखने में मदद करेगा। आप इसके साथ अलग रंग का दुपट्टा कैरी कर सकती हैं।

सर्दियों में अपना चेहरा धोने करें कुदरती पहल

सर्दी के मौसम में त्वचा के लिए तमाम तरह के प्रोडक्ट होते हैं, जो त्वचा का अच्छी तरह से ध्यान रखते हैं लेकिन इसके बाद भी बहुत से लोग घरेलू नुस्खों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। शायद ही कोई ऐसा घर होगा, जहां आपको बेसन देखने को ना मिले। ऐसे मे आप आसानी से बेसन का इस्तेमाल करके अपनी त्वचा को दमका सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस बेसन के साथ गुलाब जल और दही को अच्छे से मिलाना है। अब इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर 4 से 5 मिनट के लिए लगाएं और फिर चेहरे को साफ कर लें। इसके बाद आपकी त्वचा खिल उठेगी। सर्दियों में आपके स्किन की नमी कहीं खो जाती है।

ऐसे में अगर आप शहद को अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व आपके चेहरे को चमकाने का काम करेंगे। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने चेहरे को हल्का सा गीला कर लें। इसके बाद थोड़ा सा शहद हाथ में लेकर अपने चेहरे पर लगाएं। कुछ देर इसे चेहरे की मसाज करने के बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें। टमाटर सर्दियों के मौसम में काफी ज्यादा सस्ते मिल जाते हैं। ऐसे में आप चेहरा चमकाने के लिए आप टमाटर के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व आपकी काफी मदद करेंगे। अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं तो सबसे पहले टमाटर का रस निकालें और फिर इसे रुई की मदद से इसे चेहरे पर लगा लें। 5 से 7 मिनट के बाद आप चेहरे को धो सकते हैं।

अपने बाल धोते वक्त न करें ये गलतियां

आज के समय में बिगड़ी हुई लाइफस्टाइल और खराब खानपान की वजह से लोगों के साथ कई तरह की समस्याएं सामने आ रहीं हैं। वैसे तो बाल झड़ने की कई वजह हो सकती हैं, लेकिन इनमें सबसे अहम है गलत तरह से बालों का धोना। बालों को ज्यादा तेज गर्म पानी से धोना उन्हें डैमेज कर सकता है और सिर की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में हमेशा बालों को ठंडे या गुनगुने पानी से धोना ज्यादा सही माना जाता है। अगर आप ज्यादा मात्रा में शैंपू का इस्तेमाल करेंगे तो इससे भी आपके बाल डैमेज हो सकते हैं। डैमेज होने के बाद बाल काफी ज्यादा मात्रा में टूटने लगते हैं। ऐसे में हमेशा अपने हेयर टाइप के हिसाब से ही शैंपू चुनें और उसका इस्तेमाल भी सही मात्रा में करें। बाल बेहद नाजुक होते हैं। ऐसे में आप अपने बालों को धोने वक्त ज्यादा तेज ना रगड़े। इससे बाल कमजोर हो जाते हैं और तेजी से झड़ने लगते हैं। अगर आप हर रोज बाल धोते हैं, तो ये भी आपके बालों को कमजोर बनाता है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा हफ्ते में तीन बार ही बालों को धोएं, तभी आपके बाल मजबूत बनेंगे। हेयर कंडीशनर को कभी बालों की जड़ों में नहीं लगाया जाता है। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे बाल जड़ से कमजोर होने लगते हैं।

कोट की असल लंबाई और फिटिंग के बारे में जानिए

कोट पहनने का शौक आपको है और पार्टी वगैरह में तो आप बस सूट ही पहनते हैं तो आपको इसकी सही लेंथ और फिटिंग के बारे में भी पता होना चाहिए। ताकि कोट के साथ आपको परफेक्ट लुक मिल सके। दरअसल सूट अगर फिटिंग का न हो और इसकी लंबाई अगर ठीक न हो तो लुक बिगड़ सकता है।

सबसे पहले टाई पर हो ध्यान

कोट की सही लेंथ जानने और लुक में शामिल करने से पहले आपको अपनी टाई की लंबाई पर ध्यान देना होगा। इसकी लेंथ न ज्यादा छोटी और न ज्यादा बड़ी होनी चाहिए। टिप ये है कि टाई की लंबाई पैंट की बेल्ट तक होनी चाहिए।

सूट लेंथ हो बैलेंस

सूट की लेंथ ऐसी होनी चाहिए कि आपकी ऊपरी और निचली बॉडी में बैलेंस दिखे। इसलिए सूट की जैकेट की लंबाई कमर से थोडा नीचे होनी चाहिए। अगर आपकी लंबाई 5'9" से ज्यादा है तो इसकी लेंथ थोड़ी और लम्बी भी हो सकती है।

अगर बाहें इतनी दिख रही हैं तो आपके सूट की सही लंबाई नापने का एक तरीका और है। इसके लिए देखिए आपकी शर्ट कि बाहें सूट की बाहों से करीब आधे इंच दिख रही हैं या नहीं। अगर ये नहीं दिख रही हैं तो या तो जैकेट ज्यादा लंबी है या बांहें ज्यादा छोटी हैं।

ओवेरकोट पहन रहे हैं तो

अगर आप ओवरकोट पहनना चाहते हैं तो इसकी लेंथ पर भी आपको ध्यान देना होगा। इसकी लंबाई हमेशा घुटनों से ऊपर होनी चहिए।

पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट बनवाते समय रखें ध्यान

रोजाना से लेकर पार्टी या शादी तक में हम सलवार सूट को पहनना पसंद करते हैं। इसके कई डिजाइंस आपको मार्केट में नजर आ जाएंगे। वहीं लोहड़ी का त्योहार आने वाला है और इस मौके पर खासकर पंजाबी स्टाइल के सलवार-सूट को पहना जाता है। ज्यादातर इन सलवार-सूट को रेडीमेड की जगह सिलवाया जाता है। सूट को स्टाइल करने के लिए आपको बॉडी टाइप के हिसाब से इसे सिलवाना बेहद जरूरी होता है। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ आसान टिप्स जिनकी मदद से आप आसानी से पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट सिल्वा सकती हैं और अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

सलवार सिलवाते समय रखें इन बातों का खास ख्याल

आजकल सिंपल से सिंपल लुक में भी सलवार के लिए आपको इसके कई डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन सलवार बनवाने के लिए आपको इसकी लेंथ से लेकर बनवाई गई कलियों तक का खास ख्याल रखना जरूरी होता है ताकि आपकी बॉडी शेप परफेक्ट तरीके से डिफाइन हो सके। वहीं आप चौड़े पौंचे वाली सलवार बनवा सकते हैं। यह काफी चलन में आजकल नजर आ रही है। सूट की लेंथ को वैसे तो पंजाबी स्टाइल में शॉर्ट ही रखा जाता है, लेकिन जरूरी नहीं है कि आप भी इसे बिल्कुल ही शॉर्ट बनवाये बल्कि आप सूट की लेंथ को अपनी बॉडी शेप के हिसाब से कस्टमाइज कर घुटने तक का भी बनवा सकती हैं और इसका घेरा भी आप अपनी वेस्ट के हिसाब से बड़ा या छोटा करवा सकती हैं।

पंजाबी लुक को परफेक्ट बनाने के आसान टिप्स

पंजाबी लुक में खासकर पटियाला सलवार को पहनना पसंद किया जाता है।बालों के लिए आप परांदी की मदद लेकर ब्रेड हेयर स्टाइल बना सकती हैं। फ्रंट हेयर स्टाइलिंग के लिए आप अपने फेस शेप के हिसाब से ब्रेड को चुन सकती हैं। कानों में आप गोल बाली में कई तरीके के डिजाइंस को चुनें। इसके अलावा दुपट्टे में आप फुलकारी डिजाइन या किनारी लेस गोटा-पट्टी लगवा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

आज की नौजवान पीढ़ी भी खूब पसंद करती हैं उस दौर के टिप्स

आज भी लड़कियों का दिल जीतने में उतने ही असरदार हैं तीन दशक पुराने डेटिंग टिप्स

डेटिंग टिप्स समझते हैं तो फिर आप अपनी क्रश को दिल की बात क्यों नहीं कह देते। अपना दिल देने से पहले इतनी शर्माहट और घबराहट क्यों हो रही है? कहीं नए डेटिंग आइडिया या टिप्स के चक्कर में आप भी एक-एक दिन यूं ही न काट दें।

अब नए-पुराने का चक्कर छोड़िए और असरदार डेटिंग टिप्स को अपनाकर देखिए। शायद इससे आपकी बात बन जाए। क्योंकि जब तक आप अपनी क्रश को स्पेशल फील नहीं करा देते तब तक वह आपकी ओर ध्यान नहीं दे सकती। अब दिल जीतने के लिए हम नए दौर में 90 के दशक के कुछ डेटिंग टिप्स जानते हैं। जिसके जरिए फिल्मों में हीरो-हीरोइन और दूसरे लोग अपने दिल की बातों को बयां किया करते थे।

लड़की को स्पेशल फील कराना क्यों जरूरी?

कई लड़कों को लगता है कि सिर्फ 'मैं तुमसे बहुत बहुत प्यार करता हूं', 'मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता हूं...' कह देने से लड़की अपना मासूम दिल दे बैठेगी। मगर ऐसा नहीं होता है। क्योंकि प्यार एक खास अनुभव होता है, जो किसी खास के लिए ही होता है। इसलिए अपनी क्रश को स्पेशल फील कराना जरूरी है। इसके लिए गिफ्ट नहीं बस कुछ अल्फाज और अदकारी चाहिए।

प्यार से देखें, घूरे नहीं

नब्बे के दशक की फिल्मों में विलेन और हीरो दोनों ही हीरोइन पर फिदा होते थे लेकिन खलनायक के देखने का अंदाज ही एक्ट्रेस को पसंद नहीं आता है। जबकि एक्टर सिर्फ नजर से ही दिल चुरा लेते थे। इसलिए आप भी अपनी क्रश को घूरने, ताड़ने की बजाय उसको प्यार भरी निगाह से देखें।

व्हाट्सएप नहीं, खत पर लिखें दिल की बात

ऑनलाइन डेटिंग के दौर में एक साथ कई लोगों के मैसेज आते हैं। ऐसे में मिजाज खराब भी होता है। इसलिए आपको लीक से हटकर कुछ अलग करना होगा। ऐसे में ग्रीटिंग कार्ड या कोरे कागज पर कुछ प्यार भरी बातों को लिखकर भेजें। यकीनन इस वक्त में वह उस लड़की को पसंद आ सकता है। हां, वह आपका खत एकांत में पढ़ेगी, इसलिए मुमकिन है असर भी होगा। जबकि मैसेज वह किसी भी वक्त हजारों मैसेज के भीड़ में पढ़कर शायद स्पेशल महसूस न कर सके।

एक प्यार भरा गाना

नब्बे के दशक में हर प्रेमी-प्रेमिका की चाहत होती थी कि उनको चाहने वाले कोई प्यार भरा गाना डेडिकेट कर दे। वाकई गानों का असर तो होता ही है। दिल के हाल को बयां करने के लिए गानों से आसान व असरदार कोई तरीका नहीं हो सकता है। अगर आपको उसकी पसंद के गायक के बारे में पता हो तो फिर क्या कहने, यह आपके लिए सोने पर सुहागा साबित हो सकता है।

पहनें उसकी पसंद की ड्रेस

पुरानी फिल्मों में एक्टर लड़कियों की पसंद या उसकी मैचिंग ड्रेस को पहनते दिखते थे। यह काम क्या आज नहीं हो सकता है। इसलिए आप भी अपनी महबूबा की पसंद के कपड़े पहनकर उसको रिझाने की कोशिश करें। लेकिन आप आउटडेटेड ड्रेस से दूरी बनाकर रखें। मिलने की जगह एकदम हटकर हम कंक्रीट के जंगलों में भले ही सुकून न पाएं लेकिन कोई हसीन सी जगह मिल ही जाएगी। मेरा मानना है कि 90 के दशक की तरह अपनी हीरोइन को किसी महंगे रेस्टोरेंट में ले जाने की बजाय किसी सुंदर सी जगह पर लेकर जाएं।